मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्षः 8 अंक 73
सोमवार, 22 सितम्बर 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

नवरात्रि से 'आत्मनिर्भर भारत' का नया अध्याय, पीएम नरेंद्र मोदी ने जीएसटी रिफॉर्म्स की घोषणा की

नई दिल्ली, 21 सितम्बर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज राष्ट्र को संबोधित किया, जिसमें उन्होंने आगामी नेक्स्ट-जेनरेशन जीएसटी रिफॉर्म्स की घोषणा की, जो सोमवार 22 सितंबर से लागू होंगे। प्रधानमंत्री ने इस महत्वपूर्ण कदम को 'जीएसटी बचत उत्सव' का नाम दिया और इसे आत्मनिर्भर भारत अभियान की दिशा में एक बड़ा कदम बताया।

नवरात्रि की शुरूआत के साथ ही, ये नए जीएसटी सुधार लागू हो रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि यह उत्सव गरीबों, मध्यम वर्ग, युवाओं और व्यापारियों सहित देश के हर वर्ग के लिए फायदेमंद होगा। उन्होंने कहा कि इन सुधारों से लोगों की बचत बढ़ेगी और वे अपनी पसंद की चीजें आसानी से खरीद पाएंगे, जिससे त्योहारी मौसम में सभी के चेहरों पर खुशी आएगी। उन्होंने इन सुधारों के लिए सभी देशवासियों को बधाई दी और विश्वास जताया कि ये सुधार भारत की आर्थिक प्रगति को गति देंगे, व्यापार को आसान बनाएंगे और हर राज्य को विकास की दौड़ में समान भागीदार बनाएंगे।

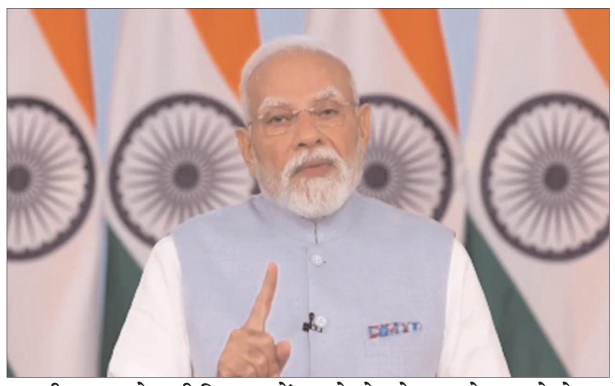

प्रधान मंत्री ने 2017 में लागू हुए मूल जीएसटी सुधारों को याद किया, जिसने देश को दशकों से चले आ रहे जटिल कर जाल से मुक्ति दिलाई। उन्होंने कहा कि 2014 में सत्ता में आने के बाद, उनकी सरकार ने सभी हितधारकों और राज्यों से चर्चा कर जीएसटी को प्राथमिकता दी, जिससे यह ऐतिहासिक कर सुधार संभव हो पाया। पीएम ने कहा कि सुधार एक सतत प्रक्रिया है, और वर्तमान एवं भविष्य की जरूरतों को देखते हुए नेक्स्ट-जेनरेशन जीएसटी रिफॉर्म्स पेश किए जा रहे हैं। इन नए सुधारों के तहत, जीएसटी की केवल दो प्रमुख दरें 5% और 18% लागू होंगी, जिससे रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुएं अधिक सस्ती हो जाएंगी।

अपने संबोधन में, प्रधान मंत्री ने एक बार फिर 'आत्मनिर्भर भारत' के मंत्र पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जिस तरह स्वतंत्रता संग्राम को 'स्वदेशी' के मंत्र से ताकत मिली, उसी तरह देश की समृद्धि को भी स्वदेशी से ही शक्ति मिलेगी। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे ऐसे उत्पाद खरीदें जो 'मेड इन इंडिया' हों, जिनमें देश के युवाओं की मेहनत लगी हो। उन्होंने कहा कि हर घर और हर दुकान को स्वदेशी का प्रतीक बनना चाहिए। पीएम ने यह भी बताया कि भारत को आत्मनिर्भर बनाने में एमएसएमई (MSMEs) की महत्वपूर्ण भूमिका है।

जीएसटी सुधारों से होने वाले लाभ को व्यापारी से लेकर ग्राहकों तक को बताएं जनप्रतिनिधि : आदित्यनाथ

लखनऊ, 21 सितम्बर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को जनप्रतिनिधियों को निर्देश दिया कि वे माल एवं सेवा कर (जीएसटी) में सुधारों से होने वाले लाभ को व्यापारी से लेकर ग्राहकों तक को बताएं।

एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सभी विधायकों और मंत्रियों के साथ बैठक कर जीएसटी रिफॉर्म जागरूकता अभियान के पहले चरण (22 सितंबर से 29 सितंबर 2025) की रूपरेखा प्रस्तुत की। इस अभियान का उद्देश्य जीएसटी में किए गए सुधारों को व्यापक रूप से जन-जन तक पहुंचाना और स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देना है।

मुख्यमंत्री ने सभी जनप्रतिनिधियों को इसे प्रभावी ढंग से लागू करने का निर्देश दिया, ताकि त्योहारी सीजन में व्यापारियों, दुकानदारों और आम जनता को इसका पूरा लाभ मिल सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस अभियान का संचालन सभी जनप्रतिनिधि अपने-अपने क्षेत्रों में प्रतिदिन अलग-अलग स्थानों पर करेंगे। उन्होंने बताया कि स्वयं मुख्यमंत्री इस अभियान में शामिल होंगे। इसके अलावा दोनों उपमुख्यमंत्री भी लगातार सात दिन तक इस अभियान को आगे बढ़ाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा, सभी सांसद, मंत्री, विधायक, एमएलसी और पार्षद अपने-अपने क्षेत्रों में रोजाना 1-2 घंटे बाजारों में सक्रिय भागीदारी निभाएंगे। जिलों में प्रभारी मंत्री स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ संवाद कर उन्हें अभियान से जोड़ेंगे, ताकि यह पहल हर स्तर पर प्रभावी हो सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि दुकानदारों को गुलाब का फूल भेंट कर धन्यवाद दें। उन्होंने कहा कि दुकानदारों को बताएं कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उनकी लंबे समय से चली आ रही मांग के अनुसार जीएसटी में सुधार लागू किया है।

प्रधानमंत्री, विदेश मंत्री एच1बी वीजा शुल्क वृद्धि के मुद्दे को युद्धस्तर पर सुलझाएं: ए रेवंत रेड्डी

तेलंगाना, 21 सितम्बर। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एच-1बी वीजा शुल्क में भारी बढ़ोतरी करने के फैसले से तेलुगु आईटी पेशेवरों को अकल्पनीय पीड़ा का सामना करना होगा।

रेड्डी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर से इस मुद्दे को युद्धस्तर पर सुलझाने का आग्रह किया। उन्होंने शनिवार देर रात एक्स पर एक पोस्ट में कहा, अमेरिका के राष्ट्रपति के कार्यकारी आदेश सभी के लिए चौंकाने वाले थे। भारत-अमेरिकी संबंधों के ऐतिहासिक संदर्भ में यह पूरी तरह से अस्वीकार्य है। रेड्डी ने कहा कि केंद्र सरकार को

इतने लंबे समय तक अमेरिका की सेवा करने वाले हमारे तकनीकी पेशेवरों और कुशल श्रमिकों के हितों को ध्यान में रखते हुए, इस मुद्दे को सौहार्दपूर्ण ढंग से हल करने के लिए तुरंत एक तंत्र स्थापित करना चाहिए। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को एक घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए, जिसके तहत एच1बी वीजा शुल्क बढ़ाकर सालाना 1,00,000 अमेरिकी डॉलर किए जाने का प्रावधान है। ट्रंप के इस कदम से अमेरिका में काम करने वाले भारतीय पेशेवरों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका है।

बीते 10 वर्षों में कश्मीर, पूर्वोत्तर और नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में हिंसा में 75 फीसदी कमी आईः शाह

नई दिल्ली, 21 सितम्बर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के 10 वर्षों के कार्यकाल में जम्मू-कश्मीर, पूर्वोत्तर और नक्सलवाद प्रभावित क्षेत्रों में हिंसा में 75 प्रतिशत की कमी आई है।

शाह ने दोहराया कि वामपंथी उग्रवाद को 31 मार्च 2026 तक समाप्त कर दिया जाएगा। उन्होंने सर्जिकल स्ट्राइक, हवाई हमलों और ऑपरेशन सिंदूर का हवाला देते हुए कहा कि आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति अपनाई गई है।

शाह ने प्रधानमंत्री मोदी के 75वें जन्मदिन के अवसर पर

समाचार चैनल आजतक से बातचीत में कहा, देश में तीन प्रमुख हॉटस्पॉट थे-कश्मीर, पूर्वोत्तर और वामपंथी उग्रवाद... मोदी सरकार के 10 वर्षों के कार्यकाल में, तीनों हॉटस्पॉट में हिंसा में 75 प्रतिशत की कमी आई है। गृह मंत्री ने कहा कि अगर पूरी दुनिया में कोई भी संकट का प्रबंधन सीखना चाहता है, तो वह प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत के कोविड प्रबंधन का अध्ययन कर सकता है। उन्होंने कहा, जब दुनिया भर की सरकारें कोविड के खिलाफ अकेले लड़ रही थीं, भारत में केंद्र सरकार, राज्य सरकारें और 140 करोड़ नागरिक इस लड़ाई में एक साथ आए और इसी सामूहिक शक्ति के कारण हमें सफलता मिली। यह मोदी जी के मजबूत नेतृत्व के कारण संभव हुआ।

शाजापुर में दो गाड़ियों की आमने-सामने हुई टक्कर में दो लोगों की मौत, दो लोग घायल

शाजापुर। मध्यप्रदेश के शाजापुर जिले में रविवार को दो गाड़ियों की आमने-सामने की टक्कर में दो लोगों की मौत हो गई और दो अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह दुर्घटना शाजापुर जिला मुख्यालय से करीब 15 किलोमीटर दूर आगर-दुपाड़ा रोड पर कटवरिया गांव के पास हुई। दुपाड़ा चौकी प्रभारी अंकित इतवाडिया ने को बताया कि मांगीलाल शर्मा (35) अपनी कार में सब्जी लेकर बाजार जा रहे थे जबकि वाहिद खान (28) दुपाड़ा इलाके की ओर जा रहे थे कि तभी उनके वाहनों की आमने-सामने की टक्कर हो गयी।

बेंगलुरु की सड़कों की बदहाली पर भड़के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, नगर निगम को दिया एक महीने का अल्टीमेटम

कर्नाटक, 21 सितम्बर। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने बेंगलुरु की सड़कों की बदहाली पर नगर निगम अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई है। उन्होंने सड़कों के गड्ढे भरने और शहर की सभी सड़कों को यातायात के लिए अनुकूल बनाने के लिए अधिकारियों को एक महीने का समय दिया है। सड़क सुधार और यातायात व्यवस्था पर बुलाई गई एक समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों की सुस्ती पर गहरी नाराजगी व्यक्त की।

सिद्धारमैया ने अधिकारियों से सवाल किया, 'क्या आपको लोगों की रोजमर्रा की मुश्किलें दिखाई नहीं देतीं? आपने तुरंत कदम क्यों

नहीं उठाए?' उन्होंने वार्ड और मुख्य अभियंताओं को तुरंत कार्रवाई करने का निर्देश दिया और सख्त लहजे में चेतावनी दी कि एक महीने के भीतर गड्ढे भरने और सड़कों को ठीक करने के लिए कड़े कदम उठाए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर अधिकारी इसमें नाकाम रहे तो उनके खिलाफ बिना किसी हिचकिचाहट के कार्रवाई की जाएगी। यह फटकार ऐसे समय में आई है जब बेंगलुरु की एक लॉजिस्टिक्स कंपनी ब्लैकबक ने खराब सड़कों और भारी ट्रैफिक जाम के कारण आउटर रिंग रोड स्थित अपना कार्यालय बदलने की घोषणा की है। कंपनी के सीईओ राजेश याबाजी ने सोशल मीडिया पर इस मुद्दे को उठाया था। हालांकि, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने इस पर बेफिक्री दिखाते हुए कहा था कि सरकार इस तरह की 'धमकियों या ब्लैकमेलिंग' की परवाह नहीं करती।

मुख्यमंत्री ने अपनी नाराजगी जताते हुए कहा कि बेंगलुरु विकास प्राधिकरण (इऊअ), बीएमआरसीएल (इटपफ्छछ) और बीडब्ल्यूएसएसबी (इहरइ) जैसे विभागों के बीच कोई समन्वय नहीं है। उन्होंने मुख्य आयुक्त को सभी पांचों क्षेत्रीय आयुक्तों के साथ साप्ताहिक बैठकें करने और लगातार संपर्क में रहने का निर्देश दिया।

सपा ने कसाइयों को दिया संरक्षण, भाजपा ने गाय को दिया सम्मान: ब्रजेश पाठक

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्र ब्रजेश पाठक ने समाजवादी पार्टी (सपा) पर प्रहार करते हुए शनिवार को आरोप लगाया कि विपक्षी दल ने कसाइयों को सरंक्षण दिया जबकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने गाय को सम्मान दिया। एक आधिकारिक बयान में पाठक ने कहा कि प्रदेश की जनता समाजवादी पार्टी की बेचैनी काफी समय से देख रही है। उन्होंने सपा मुखिया अखिलेश यादव पर हमला बोलते हुए दावा किया कि पूर्व मुख्यमंत्री यादव भूल गए हैं कि सपा सरकार के समय अपराधियों को खुला संरक्षण मिला था और अवैध बूचड़खाने धड़ल्ले से चलते थे।

अल्जाइमरः स्मृति ह्रास की वैश्विक चुनौती

-ललित गर्ग

मस्तिष्क और स्मृति की उपेक्षा से बढ़ रहा स्मृति लोप का रोग दुनिया की एक बड़ी गंभीर समस्या हैं। याददाश्त हर उम्र के व्यक्ति के लिए सबसे बड़ी पूंजी है। तेज-तर्रार और तनावग्रस्त जीवन ने शरीर और आत्मा दोनों को उपेक्षित कर दिया है। अल्जाइमर की चुनौती हमें याद दिलाती है कि स्वस्थ मस्तिष्क ही स्वस्थ जीवन और स्वस्थ समाज का आधार है। मनुष्य अपनी स्मृति से ही मनुष्य है; जब यादें खोने लगती हैं तो पहचान भी धुंधला जाती है। स्मृति का ह्रास केवल व्यक्ति की कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी अस्तित्वगत पहचान के मिट जाने की त्रासदी है। इस बढ़ते रोग की भयानकता के कारण ही 21 सितम्बर को पूरी दुनिया विश्व अल्जाइमर दिवस मनाती है। यह केवल एक स्वास्थ्य-समस्या की याद नहीं दिलाता, बल्कि यह चेतावनी भी है कि आधुनिक जीवनशैली,

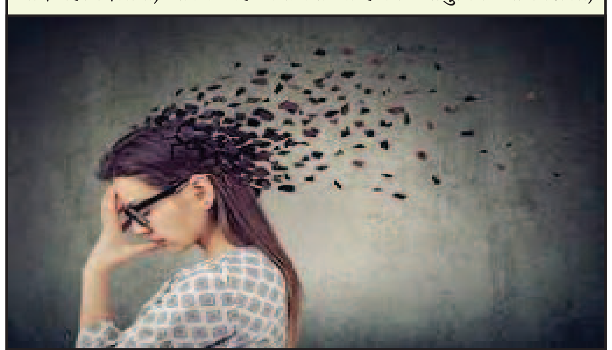

मानसिक दबाव और बदलते सामाजिक ढाँचे ने हमारे मस्तिष्क को असमय थका दिया है। आज दुनिया में पाँच करोड़ से अधिक लोग डिमेंशिया से पीड़ित हैं और इनमें सबसे बड़ी हिस्सेदारी अल्जाइमर रोगियों की है। अल्जाइमर दिमाग की एक बीमारी है जिसमें इंसान धीरे-धीरे बातों को भूलने लगता है। शुरूआत में छोटी-छोटी बातें भूलती हैं जैसे किसी का नाम, चीज कहां रखी थी या हाल की घटना। लेकिन समय के साथ यह भूलना इतना बढ़ जाता है कि व्यक्ति को अपने परिवार के लोग, जगह या रोज के काम भी याद नहीं रहते। विश्व स्वास्थ्य संगठन का अनुमान है कि 2050 तक यह संख्या तीन गुना तक पहुँच सकती है। हर तीन सेकंड में दुनिया के किसी न किसी कोने में एक नया डिमेंशिया रोगी जुड़ जाता है। दुनिया में, 2025 तक 55 मिलियन (5.5 करोड़) से अधिक लोग मनोभ्रंश (डिमेंशिया) से पीड़ित हैं, और 2050 तक यह संख्या बढ़कर 139 मिलियन (13.9 करोड़) तक पहुंचने का अनुमान है, जिसमें अल्जाइमर रोग इसका सबसे आम रूप है। भारत में, 2023 के एक अध्ययन के अनुसार 9 मिलियन (90 लाख) से अधिक बुजुर्ग मनोभ्रंश से जूझ रहे हैं, और यह संख्या 2036 तक बढ़कर लगभग 17 मिलियन (1.7 करोड़) हो जाने का अनुमान है। आंकड़ों के अनुसार, यह समस्या महिलाओं को अधिक होती है। एम्स और निम्हैंस जैसी संस्थाएं इसकी शुरूआती पहचान और रिसर्च पर काम कर रही है। बुजुर्गों के साथ-साथ युवाओं में इस रोग का बढ़ना ज्यादा चिन्ताजनक है।

अल्जाइमर के बढ़ने के कारणों में मुख्य रूप से बढ़ती उम्र, आनुवंशिकी (कुछ जीन) और मस्तिष्क में असामान्य प्रोटीन जमाव शामिल हैं। इसके अलावा, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, मोटापा और धूम्रपान जैसे जीवनशैली संबंधी कारक, और हृदय संबंधी समस्याएँ भी अल्जाइमर के जोखिम को बढ़ा सकती हैं। शोध बताते हैं कि लगातार मोबाइल इस्तेमाल करने वालों में 35 प्रतिशत तक याददाश्त और एकाग्रता कम हो सकती है। लंदन यूनिवर्सिटी ने पाया कि मोबाइल पास होने मात्र से 10 प्रतिशत तक स्मृति घट जाती है। आईएएमएआई की रिपोर्ट बताती है कि भारत में 60 करोड़ स्मार्ट फोन इस्तेमाल करने वाले हर रोज औसतन 4.9 घंटे मोबाइल पर रहते हैं। एम्स के मुताबिक, युवाओं में डिजिटल डिमेंशिया जैसे लक्षण बढ़ रहे हैं। इस रोग की सबसे भयावह सच्चाई यह है कि यह केवल रोगी को नहीं, बल्कि उसके पूरे परिवार को प्रभावित करता है। स्मृति का खो जाना, निर्णय लेने की क्षमता का क्षीण हो जाना, बार-बार वही प्रश्न पूछना, भाषा और व्यवहार में असामान्यता आना और अंततः अपनी पहचान तक खो बैठना-यह सब न केवल रोगी बल्कि उसके आसपास के लोगों के लिए भी असहनीय स्थिति बन जाती है।

अल्जाइमर का सीधा संबंध मस्तिष्क की कोशिकाओं से है। यह एक प्रगतिशील रोग है जिसमें मस्तिष्क की कोशिकाएँ धीरे-धीरे नष्ट होने लगती हैं। उम्र बढ़ने के साथ इसका खतरा अधिक हो जाता है, लेकिन केवल यही कारण नहीं है। असंतुलित जीवनशैली, तनाव, नींद की कमी, मानसिक निष्क्रियता, नशे की आदतें और अस्वास्थ्यकर आहार भी इसके बड़े कारण हैं। धीरे-धीरे मनुष्य की सोचने-समझने की शक्ति कम होने लगती है और उसका व्यक्तित्व बदल जाता है। यह रोग न केवल चिकित्सा की दृष्टि से, बल्कि सामाजिक और आर्थिक दृष्टि से भी गहरी चुनौती है। रोगी की देखभाल पर आने वाला खर्च कई बार परिवार की आर्थिक रीढ़ तोड़ देता है। परिवार के सदस्यों के लिए यह लगातार तनाव और थकान का कारण बनता है। कई बार यह रोग परिवारों में दूरी और टूटन का भी कारण बन जाता है। एक ओर बढ़ती वृद्धावस्था, दूसरी ओर उपेक्षा और अकेलेपन का संकट-ये सभी मिलकर स्थिति को और भी विकट बना देते हैं।

अल्जाइमर दिमाग से जुड़ी एक गंभीर बीमारी है, जिसमें दिमाग की कोशिकाएं नष्ट होने लगती हैं। इससे याददाश्त बुरी तरह प्रभावित होती है। व्यक्ति के व्यवहार और जीवन पर असर पड़ने लगता है। वह धीरे-धीरे सब कुछ भूल जाता है। प्रारंभिक चरण में स्मृति हल्की, लेकिन ध्यान देने योग्य होती है। लोग हाल ही में घटित घटनाओं या परिचित नामों को भूल सकते हैं। मध्यम अवस्था में संज्ञानात्मक गिरावट अधिक सपष्ट हो जाती है। रोगी को समस्या-समाधान करने, बोलने या नियमित काम करने में समस्या हो सकती है। निगलने में कठिनाई और फेफड़ों में संक्रमण जैसी जटिलताएं सामने आती हैं। उन्नत अवस्था में रोगी बात करने में असमर्थ हो सकते हैं। उन्हें हर समय देखभाल करने की जरूरत हो सकती है। वे खाने व चलने जैसे बुनियादी काम नहीं कर पाते। वे बार-बार गिर सकते हैं, जिसमें उन्हें चोट लग सकती है।

दुर्भाग्य यह है कि अल्जाइमर का आज तक कोई पूर्ण उपचार उपलब्ध नहीं है। अमेरिका में हाल में कुछ दवाओं को शुरूआती स्तर पर अल्जाइमर की प्रगति धीमी करने के लिए मंजूरी मिली है। ये दवाएं दिमाग में एमीलॉइड प्लेक्स कम करने पर काम करती हैं, जिन्हें समस्या का मुख्य कारण माना जाता है। संभावना है जल्दी ही देश में भी ये दवाएं मिलने लगेंगी। दवाइयाँ केवल इसकी गति को कुछ समय के लिए धीमा कर सकती हैं। ऐसे में रोकथाम के लिये संकल्प, प्राकृतिक उपचार, मनोबल ही सबसे बड़ी दवा है। नियमित व्यायाम, संतुलित आहार, पर्याप्त नींद, योग और ध्यान जैसे अभ्यास, मानसिक सक्रियता बनाए रखना, नई-नई चीजें सीखना, किताबें पढ़ना और सामाजिक जुड़ाव बनाए रखना-ये सब मस्तिष्क को सक्रिय और स्वस्थ बनाए रखने के महत्वपूर्ण साधन हैं। जीवनशैली में थोड़े-से परिवर्तन अपनाकर इस रोग को देर तक टाला जा सकता है। लेकिन यह भी उतना ही सच है कि अल्जाइमर से पीड़ित लोगों को सबसे अधिक आवश्यकता हमारी करुणा और सहानुभूति की होती है। यह केवल चिकित्सा की नहीं, बल्कि संवेदना की भी चुनौती है। हमें रोगियों को बोझ न समझकर उनके आत्मसम्मान को बनाए रखना चाहिए। उनके प्रति धैर्य, प्रेम और संवेदनशीलता का व्यवहार ही उन्हें कुछ हद तक संबल दे सकता है। इस बीमारी के बारे में जागरूकता बढ़ाने और रोगियों में कलंक एवं हीनता के भाव को कम करने के लिए ही विश्व अल्जाइमर दिवस मनाया जाता है। विश्व अल्जाइमर दिवस की थीम हर साल बदलती है ताकि डिमेंशिया देखभाल और जागरूकता के विभिन्न पहलुओं पर ध्यान केंद्रित किया जा सके। 2025 की थीम है डिमेंशिया के बारे में पूछें, अल्जाइमर के बारे में पूछें, जिसका उद्देश्य अल्जाइमर रोग और डिमेंशिया के बारे में वैश्विक जागरूकता बढ़ाना, खुले संवाद को प्रोत्साहित करना और समय पर निदान को बढ़ावा देना है। ये थीम दुनिया भर में जागरूकता अभियानों का मार्गदर्शन करती हैं, तथा हमें याद दिलाती हैं कि अल्जाइमर केवल एक स्वास्थ्य समस्या नहीं है, बल्कि एक सामाजिक चुनौती भी है, जिसके लिए करुणा, चिकित्सा सहायता और मजबूत नीतियों की आवश्यकता है, जो इस रोग के बारे में बेहतर समझ और रोगियों को मजबूत इच्छाशक्ति बनाने में मदद कर सकती है।

2026 के तमिलनाडु विधानसभा चुनाओं को अपने पक्ष में करने के लिए मिशन मोड पर भाजपा

अशोक भाटिया

तमिलनाडु में अगले साल की शुरूआत में विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में भाजपा तमिलनाडु में भी एनडीए गठबंधन का विस्तार कर रही है और नए दलों को शामिल करके चुनाव में सत्तधारी पार्टी डीएमके के गठबंधन को चुनौती देने की कोशिश कर रही है। इसके लिए पार्टी ने ह्लमिशन मोडह्न रणनीति अपनाई है, जिसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि आगामी चुनाव में डीएमके विरोधी वोट विभाजित न हों। भाजपा यहां हर जाति वर्ग के लोगों को साधने के लिए अपनी रणनीतियों को अंतिम रूप दे रही है। पार्टी के सूत्र बताते हैं कि वोटों के विभाजन को रोकने पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है, जिससे सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) को फायदा हो सकता है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए इखढ एनडीए के दायरे में छोटे दलों को शामिल करने पर काम कर रही है।

4 अप्रैल को तमिल नववर्ष से पहले, भारतीय जनता पार्टी ने अपने पूर्व सहयोगी ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम के साथ राज्य में गठबंधन बनाने की घोषणा की। हालाँकि एआईएडीएमके ने एक समय तमिलनाडु के द्रविड़-प्रभुत्व वाले राजनीतिक परिदृश्य में एक प्रमुख भूमिका निभाई थी, लेकिन अब इसका वही प्रभाव नहीं है जो पूर्व मुख्यमंत्री जे। जयललिता के समय था। पूर्व मुख्यमंत्री एडप्पाडी के। पलानीस्वामी (ईपीएस) की अगुआई वाली पार्टी अपने पार्टी सहयोगी और पूर्व मुख्यमंत्री ओ। पनीरसेल्वम (ओपीएस) के साथ नियंत्रण के लिए तीखे संघर्ष के बाद सत्ता में बनी हुई है। 2016 से 2021 तक भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार से जुड़े रहने के कारण, ईपीएस ने भाजपा नेतृत्व के साथ कामकाजी संबंध का आनंद लिया। पिछले हफ़्ते चेन्नई में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा की गई घोषणा में भी स्पष्ट राजनीतिक संदेश था कि ईपीएस मौजूदा एमके स्टालिन के नेतृत्व वाली डीएमके गठबंधन सरकार के खिलाफ लड़ाई का नेतृत्व कर रहे हैं। अब तमिलनाडु में भाजपा की कोशिश एनडीए का और कुनबा बढ़ाने की है. तमिल पॉलिटिक्स के समीकरणों का ध्यान रख भाजपा एनडीए में कुछ और नई पार्टियों को शामिल कराने की तैयारी में है. भाजपा की नजर एक-एक वोट पर है. तमिलनाडु की चुनावी फाइट में भाजपा एंटी इनकम्बेंसी और एंटी डीएमके, दोनों ही वोट बिखरें ना, इस रणनीति पर मिशन मोड में काम कर रही है.

पार्टी ने इसके लिए अपनी चुनावी रणनीति को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है. तमिलनाडु में एनडीए की अगुवाई कर रहे एआईएडीएमके के नेता ई पलानीस्वामी (ईपीएस) इसी हफ्ते दिल्ली आए थे, जहां उनकी गृह मंत्री अमित शाह के साथ मैराथन मुलाकात हुई थी. इस मुलाकात में एआईएडीएमके में पुराने नेताओं की वापसी पर भी बात हुई थी.

एआईएडीएमके सूत्रों के मुताबिक ईपीएस ने अमित शाह से यह कहा कि भाजपा को उनकी पार्टी के निष्कासित नेताओं का ठिकाना नहीं बनना चाहिए. ऐसा करने से गठबंधन की एकता और दोनों दलों के आपसी संबंधों पर असर पड़ सकता है. एआईएडीएमके से न्ष्किासित नेताओं को लेकर दोनों ही नेताओं की बातचीत में कोई हल नहीं निकला.ईपीएस और अमित शाह, दोनों ही नेताओं में इस बात पर सहमति बनी कि अगले महीने से तमिलनाडु में संयुक्त अभियान चलाया जाएगा और डीएमके सरकार के खिलाफ जो मुद्दे हैं, उनको जनता के बीच ले जाया जाएगा. सूत्रों की मानें तो एआईएडीएमके से निष्कासित ओ पन्नीरसेल्वम (ओपीएस) को भाजपा अपने साथ लेना चाहती है और वह दिसंबर के अंत तक या फिर जनवरी में कमल निशान वाली पार्टी का दामन थाम सकते हैं.

ओपीएस के भाजपा में शामिल होने की बात एआईएडीएमके को पसंद नहीं आ रही. एआईएडीएमके नेता ईपीएस यह भी चाहते हैं कि तमिल सुपरस्टार विजय की पार्टी टीवीके को एनडीए में साथ लिया जाए. ईपीएस का मानना है कि पिल्लै जाति से आने वाले विजय सूबे की अगड़ी जातियों को एनडीए के पाले में लाने में अहम साबित हो सकते हैं. हालांकि, विजय की एनडीए में एंट्री के लिए भाजपा तैयार नहीं है.

भाजपा का मानना है कि विजय की पार्टी डीएमके के वोट काट रही है. भाजपा और एआईएमडीएमके, दोनों दलों में टीटी दिनाकरन और पीएमके को लेकर भी मतभेद बने हुए हैं. पीएमके पहले एनडीए में शामिल रह चुकी है. सूत्रों के मुताबिक भाजपा चाहती है कि ईपीएस अगर टीटी दिनाकरन की एआईएडीएमके में वापसी नहीं चाहते, तो उनकी पार्टी को एनडीए में शामिल कराया जाए.

भाजपा के रणनीतिकारों का मानना है कि थेवर जाति के दिनाकरन एनडीए को मजबूती दे सकते हैं. जहाँ तक उनकी चाची और जयललिता की करीबी शशिकला का प्रश्न है, यह संभव है कि वे एनडीए के पक्ष में कैंपेन करें और विधानसभा चुनाव के बाद उनकी पॉलिटिकल एडजस्टमेंट की जाए. गौरतलब है कि 2021 के विधानसभा चुनाव में एनडीए को 75 विधानसभा सीटों पर जीत मिली थी.

2024 के लोकसभा चुनावों में, डीएमके सांसदों ने तमिलनाडु की सभी 39 सीटों पर जीत हासिल की। उद्धङ को 46.9 प्रतिशत वोट मिले। यह 1991 के बाद से डीएमके द्वारा सबसे अधिक वोट शेयर था। 2024 में, भाजपा ने तमिलनाडु की 39 लोकसभा सीटों में से 23 पर चुनाव लड़ा, लेकिन हर जगह हार गई। भाजपा को 2019 के लोकसभा चुनावों में 3.6 प्रतिशत, 2024 में 5.5 प्रतिशत वोट मिले। 2009 में, इसे 2.3 प्रतिशत वोट और 2004 में 5.1 प्रतिशत वोट मिले। द्रमुक के पास अन्नाद्रमुक और भाजपा की तुलना में बड़ा समर्थन आधार है। स्टालिन के पास पलानीस्वामी की तुलना में बड़ा समर्थन आधार है, लेकिन उन्हें सत्ता विरोधी लहर से भी पीड़ित होने की संभावना है। तमिलनाडु में, भाजपा ने अन्नाद्रमुक को महत्व दिया है। डेढ़ साल के अंतराल के बाद, भाजपा और अन्नाद्रमुक ने गठबंधन में फिर से प्रवेश किया है।

डीएमके की अगुवाई वाले कांग्रेस-लेफ्ट और अन्य छोटी पार्टियों के गठबंधन को 234 में से 159 सीटों पर जीत हासिल हुई थी. अकेले डीएमके ने 133 सीटें जीती थीं, जो पूर्ण बहुमत के लिए जरूरी 118 सीटों के आंकड़े से 15 ज्यादा थीं. तमिलनाडु में हर पांच साल बाद सरकार बदलने का ट्रेंड रहा है. ऐसे में एनडीए को सत्ता की उम्मीद नजर आ रही है.

एआईएडीएमके का मानना है कि पिल्लई जाति से आने वाले विजय अगाड़ी जाति के वोट ला सकते हैं। हालांकि, भाजपा अभी इसके पक्ष में नहीं है, क्योंकि उसका मानना है कि विजय केवल डीएमके के वोटों में सेंध लगाते हैं। टीटी दिनाकरन और पट्टाली मक्कल कच्ची (पीएमके) को लेकर भाजपा और अन्नाद्रमुक के बीच मतभेद जारी हैं। पिछले चुनावों में पीएमके एनडीए का हिस्सा थी। सूत्रों का कहना है कि अगर ईपीएस दिनाकरन को अन्नाद्रमुक के पाले में वापस नहीं लाते हैं, तो भाजपा चाहती है कि दिनाकरन की पार्टी एनडीए में शामिल हो जाए।

गौरतलब है कि संसद का बजट सत्र अभी समाप्त हुआ है और सत्र के अंत में, लोकसभा और राज्यसभा में मोदी सरकार द्वारा पेश किए गए वक्फ संशोधन विधेयक पर एक हंगामेदार बहस हुई। विधेयक का विरोध करने के लिए भाजपा का विपक्ष एक साथ आया था। कांग्रेस, सपा, तृणमूल कांग्रेस,डीएमके सहित विपक्षी दल। एआईएडीएमके ने भी इसी तरह की भावनाएं व्यक्त की थीं। इतना ही नहीं एआईएडीएमके के सांसदों ने राज्यसभा में भी वक्फ सुधार सरकार के खिलाफ वोट किया था। तो अब सवाल यह उठता है कि अचानक ऐसा क्या हुआ कि भाजपा और एआईएडीएमके दोनों ही बहुत करीब आ गए? अमित शाह एक राजनयिक राजनेता हैं और राजनीतिक कूटनीति में चाणक्य के रूप में जाने जाते हैं। एक राजनीतिक दल जो संसद में भाजपा का समर्थन नहीं करता है, वह राजनीतिक दल जिसने पिछले चुनाव में भाजपा के साथ गठबंधन तोड़ दिया था, एआईएडीएमके, वह पार्टी जिसने एनडीए में फिर से प्रवेश किया। ये सारी घटनाएं इतनी तेजी से घटीं कि इसने देश के सभी राजनीतिक दलों को हैरान कर दिया। तमिलनाडु विधानसभा चुनावों के लिए एआईएडीएमके पार्टी के साथ जल्दबाजी में गठबंधन क्यों किया गया, इसका रहस्य कई लोगों के सामने नहीं आया है।

इससे पहले, भाजपा ने पश्चिम बंगाल में अपनी ताकत बढ़ाने में अपनी सारी ऊर्जा लगा दी थी, और अब भाजपा अन्नाद्रमुक को फिर से गठबंधन करके चेन्नई के सिंहासन से एमके स्टालिन के नेतृत्व वाली द्रमुक सरकार को गिराने की पूरी कोशिश कर रही है। भाजपा पिछले 10-12 वर्षों से तमिलनाडु में पार्टी का विस्तार करने के लिए कड़ी मेहनत बताया जाता है कि भाजपा के निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष अन्ना मलाई अन्नाद्रमुक के साथ गठबंधन बनाने में एक बड़ी बाधा थे। अन्ना मलाई खुद एक जुझारू नेता हैं। उन्हें यह स्वीकार करना पड़ा कि उन्होंने डीएमके सरकार के खिलाफ लड़ते हुए पार्टी में जान डाल दी और पार्टी की नींव मजबूत की। जहां भाजपा से कोई नहीं पूछता, भाजपा से कोई नहीं पूछ रहा है, भाजपा का कोई कैडर नहीं।अन्ना मलाई ने ऐसे राज्यों में भाजपा के वोट शेयर को तीन से 11 प्रतिशत तक बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसीलिए भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व के लिए अन्ना मलाई के प्रदर्शन को नजरअंदाज करना और उन्हें पद से हटाना मुश्किल था। अन्ना मलाई एक सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी हैं। वे युवा हैं। 2019 में, उन्होंने स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ले ली और भाजपा में शामिल हो गए। उन्होंने अपने दमदार काम से मोदी-शाह का दिल भी जीत लिया। उनके काम को देखते हुए उन्हें तमिलनाडु के प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई। प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद उन्होंने सत्ताधारी डीएमके सरकार के खिलाफ जोरदार अभियान चलाया। वे स्टालिन सरकार को परेशान करते रहे। हाल ही में आरएसएस (राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ) नेतृत्व का मानना रहा है कि तमिलनाडु में डीएमके का मुकाबला करने के लिए भाजपा के पास मजबूत कैडर बेस की कमी है। भाजपा का मानना है कि एआईएडीएमके के साथ गठबंधन अगले साल विधानसभा चुनावों से पहले स्टालिन सरकार के खिलाफ भ्रष्टाचार और कानून-व्यवस्था को प्रमुख मुद्दे बनाने में एक ताकत के रूप में काम करेगा।संघ के लिए द्रविड़ मतदाता अब द्रविड़ पार्टियों के पक्ष में चुनावी यथास्थिति में विश्वास नहीं करता। भाजपा के एक अंदरूनी सूत्र ने कहा, ₹अब आजीविका, काम के अवसर और भ्रष्टाचार बड़े मुद्दे हैं, और हिंदी, हिंदू और हिंदुत्व के खिलाफ भावनाओं का भड़कना भी बड़ा मुद्दा है।

महान राजा और समाज सुधारक थे महाराजा अग्रसेन

-रमेश सर्राफ धमोरा

22 सितम्बर जयन्ती पर विशेष

महान राजा और समाज सुधारक महाराजा अग्रसेन की जयंती के उपलक्ष्य में प्रति वर्ष अग्रसेन जयंती मनाई जाती है। जिन्होंने अग्रवाल समुदाय की स्थापना की और समाज के लिए समानता, सामाजिक कल्याण, और भाईचारे के सिद्धांतों को बढ़ावा दिया। इस दिन को उनके विचारों और आदर्शों के प्रति समर्पण दशार्ने और सामुदायिक सेवा गतिविधियों के माध्यम से उनके संदेश को फैलाने के लिए मनाया जाता है। महाराजा अग्रसेन का जन्म अश्विन शुक्ल प्रतिपदा को महाराजा वल्लभ सेन के घर हुआ था। जिसे दुनिया भर में अग्रसेन जयंती के रूप में मनाया जाता है। राजा वल्लभ के अग्रसेन और शूरसेन नामक दो पुत्र हुये थे। अग्रसेन महाराज वल्लभ के ज्येष्ठ पुत्र थे। महाराजा अग्रसेन के जन्म के समय गर्ग ऋषि ने महाराज वल्लभ से कहा था कि यह बालक बहुत बड़ा राजा बनेगा। इस के राज्य में एक नई शासन व्यवस्था उदय होगी और हजारों वर्ष बाद भी इनका नाम अमर होगा। उनके राज में कोई दुखी या लाचार नहीं था। बचपन से ही वे अपनी प्रजा में बहुत लोकप्रिय थे।

महाराजा अग्रसेन ने शासन प्रणाली में एक नयी व्यवस्था को जन्म दिया था। उन्होंने वैदिक सनातन आर्य सस्कृंति की मूल मान्यताओं को लागू कर राज्य में कृषि-व्यापार, उद्योग, गौपालन के विकास के साथ-साथ नैतिक मूल्यों की स्थापना की थी। महाराजा अग्रसेन एक कर्मयोगी थे जिन्होंने सभी के लिए समृद्धि की कामना की। उन्होंने अहिंसा का आदर्श अपनायाजिसमें उन्हें पशु बलि की निरर्थकता का एहसास हुआ। इस अहसास ने उन्हें 'अहिंसा' के सशक्त नायकों में से एक बना दिया।उन्होंने सभी जानवरों की बलि पर प्रतिबंध लगा दिया। हालाँकि अहिंसा में उनके विश्वास का मतलब उत्पीड़न का विरोध न करना नहीं था बल्कि उन्होंने आत्मरक्षा को बढ़ावा दिया। उनके अनुसार आत्मरक्षा और राष्ट्ररक्षा केवल क्षत्रियों - योद्धा जाति का कार्य नहीं है बल्कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि वह अपनी मातृभूमि की रक्षा करे।

महाराजा अग्रसेन भगवान राम के वंशज और भगवान श्रीकृष्ण के समकालीन थे। वे राजा राम के पुत्र कुश की 34वीं पीढ़ी की संतान थे।महाराजा अग्रसेन को अहिंसा के प्रतीक, शांति के दूत के रूप में जाना जाताहै।महाराजा अग्रसेन त्याग, करुणा, अहिंसा, शांति, समृद्धि के अवतार और एक सच्चे समाजवादी थे।महाराजा अग्रसेन को समाजवाद का अग्रदूत कहा जाता है। अपने क्षेत्र में सच्चे समाजवाद की स्थापना हेतु उन्होंने नियम बनाया था कि उनके नगर में बाहर से आकर बसने वाले प्रत्येक परिवार की सहायता के लिए नगर का प्रत्येक परिवार उसे एक सिक्का व एक ईंट देगा। जिससे आने वाला परिवार स्वयं के लिए मकान व व्यापार का प्रबंध कर सके। इस प्रकार प्रत्येक व्यक्ति की छोटी-छोटी मदद से समान समाज में बराबरी का दर्जा प्राप्त किया जा सकता है।

महाराजा अग्रसेन एक सूर्यवंशी क्षत्रिय राजा थे। जिन्होंने प्रजा की भलाई के लिए वणिक धर्म अपना लिया था। महाराज अग्रसेन ने नाग लोक के राजा कुमद के यहां आयोजित स्वंयवर में राजकुमारी माधवी का वरण किया। इस विवाह से नाग एवं आर्य कुल का नया गठबंधन हुआ। माता लक्ष्मी की कृपा से श्री अग्रसेन के 18 पुत्र हुये। राजकुमार विभु उनमें सबसे बड़े थे। महर्षि गर्ग ने महाराजा अग्रसेन को 18 पुत्र के साथ 18 यज्ञ करने का संकल्प करवाया।

माना जाता है कि यज्ञों में बैठे 18 गुरुओं के नाम पर ही अग्रवंश की स्थापना हुई। ऋषियों द्वारा प्रदत्त अठारह गोत्रों को महाराजा अग्रसेन के 18 पुत्रों के साथ उनके द्वारा बसायी 18 बस्तियों के निवासियों ने भी धारण कर लिया। एक बस्ती के साथ प्रेम भाव बनाये रखने के लिए एक सर्वसम्मत निर्णय हुआ कि अपने पुत्र और पुत्री का विवाह अपनी बस्ती में नहीं दूसरी बस्ती में करेंगे। आगे चलकर यह व्यवस्था गोत्रों में बदल गई जो आज भी अग्रवाल समाज में प्रचलित है।

महाराजा वल्लभ के निधन के बाद अपने नये राज्य की स्थापना के लिए महाराज अग्रसेन ने अपनी रानी माधवी के साथ सारे भारतवर्ष का भ्रमण किया। इसी दौरान उन्हें एक जगह शेर तथा भेडिये के बच्चे एक साथ खेलते मिले। उन्हें लगा कि यह दैवीय संदेश है जो इस वीरभूमि पर उन्हें राज्य स्थापित करने का संकेत दे रहा है। ऋषि मुनियों और ज्योतिषियों की सलाह पर नये राज्य का नाम अग्रेयगण रखा गया जिसे अग्रोहा नाम से जाना जाता है। वह जगह आज के हरियाणा के हिसार के पास हैं। आज भी यह स्थान अग्रहरि और अग्रवाल समाज के लिए तीर्थ के समान है। यहां महाराज अग्रसेन और मां लक्ष्मी देवी का भव्य मंदिर है।

उन्होंने परिश्रम और उद्योग से धनोपार्जन के साथ-साथ उसका समान वितरण और आय से कम खर्च करने पर बल दिया। जहां एक ओर वैश्य जाति को व्यवसाय का प्रतीक तराजू प्रदान किया वहीं दूसरी ओर आत्म-रक्षा के लिए शस्त्रों के उपयोग की शिक्षा पर भी बल दिया। उस समय यज्ञ करना समृद्धि, वैभव और खुशहाली की निशानी माना जाता था। महाराज अग्रसेन ने बहुत सारे यज्ञ किए। महाराज अग्रसेन ने 108 वर्षों तक राज किया। महाराज अग्रसेन ने एक ओर हिन्दू धर्म ग्रंथों में वैश्य वर्ण के लिए निर्देशित कर्म क्षेत्र को स्वीकार किया और नए आदर्श स्थापित किए। उनके जीवन के मूल रूप से तीन आदर्श हैं- लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था, आर्थिक समरूपता एवं सामाजिक समानता।

महाराजा अग्रसेन पर अनगिनत पुस्तके लिखी जा चुकी हैं। सुप्रसिद्ध लेखक भारतेंदु हरिश्चंद्र जो खुद भी अग्रवाल समुदाय से थे। उन्होने 1871 में अग्रवालों की उत्पत्ति नामक एक प्रामाणिक ग्रंथ लिखा है। जिसमें विस्तार से इनके बारे में बताया गया है। 24 सितंबर 1976 में भारत सरकार द्वारा 25 पैसे का डाक टिकट महाराजा अग्रसेन के नाम पर जारी किया गया था। सन 1995 में भारत सरकार ने दक्षिण कोरिया से 350 करोड़ रुपए में एक विशेष तेल वाहक पोत (जहाज) खरीदा जिसका नाम महाराजा अग्रसेन रखा गया। राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 10 का आधिकारिक नाम महाराजा अग्रसेन पर है।

आज का अग्रोहा ही प्राचीन ग्रन्थों में वर्णित अग्रवालों का उद्गम स्थान आग्रेय है। अग्रोहा हिसार से 20 किलोमीटर दूर महाराजा अग्रसेन राष्ट्र मार्ग संख्या 10 के किनारे एक साधारण गांव के रूप में स्थित है। जहां पांच सौ परिवारों की आबादी रहती है। इसके समीप ही प्राचीन राजधानी अग्रेह (अग्रोहा) के अवशेष के रूप में 650 एकड भूमि में फैला महाराजा अग्रसेन धाम हैं। जो महाराज अग्रसेन के अग्रोहा नगर के गौरव पूर्ण इतिहास को दशार्ता हैं। आज भी यह स्थान अग्रवाल समाज में पांचवे धाम के रूप में पूजा जाता है। अग्रोहा विकास ट्रस्ट ने यहां पर बहुत सुंदर मन्दिर, धर्मशालाएं आदि बनाकर यहां आने वाले अग्रवाल समाज के लोगो के लिए बहुत सुविधायें उपलब्ध करवायी है। इतिहास में महाराज अग्रसेन परम प्रतापी, धार्मिक, सहिष्णु, समाजवाद के प्रेरक महापुरुष के रूप में उल्लेखित हैं। देश में जगह-जगह महाराजा अग्रसेन के नाम पर बनायी गयी स्कूल, अस्पताल, बावड़ी, धर्मशालाएं आदि महाराजा अग्रसेन के जीवन मूल्यों का आधार हैं। जो मानव आस्था के प्रतीक हैं।

पांच हजार वर्ष पहले महाराज अग्रसेन द्वारा प्रतिपादित समानता, समाजवाद और अहिंसा के विचार भारत के वर्तमान संविधान की भावना हैं। लेकिन हम भारतीय इन आदर्शों को अपने जीवन में नहीं उतार पाए हैं। वे हमारे संविधान में केवल शब्द बनकर रह गए हैं। अब यह हम पर निर्भर है कि हम अपने पूर्वज को श्रद्धांजलि के रूप में इन आदर्शों को अपने जीवन में अपनाएं। महाराजा अग्रसेन जी ने हमें व्यापार और आर्थिक विकास के सिद्धांत दिए थे। वहीं वैदिक धर्म, संस्कृति और आदर्शों का पालन करते हुए समाज के सभी वर्ग के लोगों की उन्नति के लिए समान अवसरों के निर्माण पर भी उन्होंने जोर दिया था।

क्या स्वरचित चक्रव्यूह में उलझ चुका इस्लामी जगत

-तनवीर जाफरी

कतर की राजधानी दोहा में हमास नेतृत्व को निशाना बनाकर गत 9 सितंबर को किए गए इजराइली हवाई हमले के बाद पूरी दुनिया आश्चर्यचकित है। सबसे अधिक आश्चर्य दुनिया को इस बात को लेकर है कि कतर मध्य एशिया में अमेरिका का सबसे खास सहयोगी देश है। कतर के अमीर तमीम बिन हमाद अल थानी से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की घनिष्टता का अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि अभी गत मई में ही कतर के अमीर ने लगभग 400 मिलियन डालर अर्थात लगभग 3,300 करोड़ रुपये का एक ऐसा बोइंग 747-8 लग्जरी हवाई जहाज राष्ट्रपति ट्रंप को भेंट किया जो अमेरिका के वर्तमान एयर फोर्स वन विमान के विकल्प के रूप में इस्तेमाल किया जा सकेगा। कतर अमेरिका का इतना खास है कि आज विश्व का सबसे बड़ा अमेरिकी सैन्य अड्डा अल उदीद एयर बेस है जोकि कतर की राजधानी दोहा से मात्र 30 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है और यहाँ 11,000 से भी ज्यादा अमेरिकी सैनिक हर समय तैनात रहते हैं। यहीं अमेरिका का केंद्रीय कमांड भी है जिसके द्वारा वह इस पूरे क्षेत्र में सैन्य अभियान संचालित करता है। इसके अतिरिक्त अन्य कई सैन्य अड्डे इराक, बहरीन, संयुक्त अरब अमीरात व कुवैत में भी हैं। इस तरह 18 मुस्लिम बहुल देशों में छोटे बड़े व अलग अलग सैन्य संचालन सुविधाओं से युक्त कई अमेरिकी सैन्य अड्डे मौजूद हैं। इन देशों में अमेरिकी सैन्य बेस का अर्थ है कि उन देशों को अमेरिका ने सैन्य सुरक्षा प्रदान की हुई है। और प्रायः ऐसे अधिकांश देश अपनी आंतरिक सुरक्षा का ढांचा तो जरूर रखते हैं परन्तु उनके पास पेशेवर सेना या सैन्य साजो सामान नहीं होते। इसी लिए 9 सितंबर को कतर पर हुये हमले के बाद यह सवाल उठ खड़ा हुआ है कि विश्व का सबसे बड़ा अमेरिकी सैन्य अड्डा अल उदीद एयर बेस दोहा में होने के बावजूद दोहा में ही इस्राईली सेना ने हवाई हमले का सहस कैसे किया ? क्या इस्राईल ने अमेरिका की कोई परवाह नहीं की ? या अमेरिका को इस हमले की पूर्व सूचना दे दी गयी थी ? अगर अमेरिका को इन हमलों का पता था तो उसने कतर को समय पूर्व सूचित क्यों नहीं किया ? और इन सबसे बड़ा सवाल यह कि यदि अमेरिकी एयर बेस होने के बावजूद अमेरिका कतर की इसी तरह की सुरक्षा करेगा तो ऐसे सैन्य अड्डों का लाभ क्या ? और इसी से निकलता इस वक़्त का सबसे अहम सवाल कि तो क्या कतर सहित अमेरिकी सुरक्षा पर आश्रित सभी देशों को अपना 'सुरक्षा गार्ड ' बदलने की जरुरत है ? या फिर इस्लामी जगत की एकजुटता और संयुक्त सैन्य आत्मनिर्भरता ही अकेला रास्ता है जो मुस्लिम जगत को अमेरिकी - इस्राईली शिकंजे से मुक्त करा सकता है ?

दरअसल 9 सितंबर को दोहा पर इस्राईली हमले के बाद गत 15 सितंबर को दोहा में अरब-इस्लामी शिखर सम्मेलन का आयोजन हुआ। इसी शिखर सम्मेलन में मिस्र ने यह प्रस्ताव पेश किया कि नाटो की संयुक्त सेना की ही तर्ज पर इस्लामी देशों की एक ऐसी संयुक्त सेना यानी अरब यूनिफाइड आर्मी का गठन किया जाये जिसमें सेना, वायुसेना और कमांडो इकाइयों का तालमेल, प्रशिक्षण और लॉजिस्टिक्स को एकीकृत किया जा सके। मिस्र के इस प्रस्ताव को ईरान, इराक, सऊदी अरब, मोरक्को और अल्जीरिया जैसे देशों से समर्थन हासिल हुआ है। इस प्रस्तावित संयुक्त सेना का उद्देश्य यह है कि अगर किसी मुस्लिम देश पर हमला हो, तो सभी सदस्य मुस्लिम देश मिलकर जवाब दें। यह बल नौसेना, वायुसेना और जमीनी इकाइयों पर आधारित होगा, जिसमें कमांडो, आतंकवाद-रोधी और शांति रक्षा इकाइयां शामिल होंगी। इस तरह का प्रस्ताव कोई पहली बार नहीं आया है। बल्कि इससे पहले 2015 में भी मिस्त्र ही ऐसा प्रस्ताव ला चुका है परन्तु उसपर न कोई अमल हुआ न ही पुनर्विचार। परन्तु अब इस्राईल द्वारा गजा में किया जा रहा जनसंहार, उसपर अमेरिका सहित पूरी दुनिया की खामोशी और इसी खतरनाक खामोशी की आड़ में इस्राईल द्वारा मध्य एशिया में अपने पांव पसारते हुये अपने ग्रेटर इस्राईल नापाक मंसूबों पर तेजी से आगे बढ़ने की योजना ने इस्लामी जगत को यह सोचने के लिये बाध्य कर दिया है कि यदि उन्होंने अपने को यथाशीघ्र एकजुट नहीं किया तो कहीं ऐसा न हो कि आने वाले समय में एक एक कर सभी मुस्लिम राष्ट्रों को अमेरिका इस्राईली की ऐसी ही साजिश का शिकार होना पड़े ? दुनिया को इस चाल को भी समझने की जरुरत है कि पूरे विश्व में लोकतान्त्रिक व्यवस्था की वकालत करने वाले अमेरिका को इस्लामी जगत के शाहों,बादशाहों व प्रिंस के शासन से कोई आपत्ति नहीं होती। इस पूरे कुचक्र का कारण यह है कि यह पूरा मध्य एशिया क्षेत्र तेल सम्पन्न इलाका है और अमेरिकी इन तेल संसाधनों पर प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से अपना नियंत्रण रखना चाहता है। अपने इसी उद्देश्य के तहत वह इस क्षेत्र में शिया वर्चस्व का भय दिखाकर ईरान के साथ अन्य अरब देशों को एकजुट भी नहीं होने देता।

परन्तु ईरान ने 1979 में हुई इस्लामी क्रांति के बाद तथा पहलवी शासन का अमेरिकी समर्थित राजतन्त्र उखाड़ फेंकने के बाद न केवल अपने तेल भंडारों को अमेरिकी गिद्ध दृष्टि से सुरक्षित किया बल्कि स्वयं को शिक्षा,विज्ञान,शोध व सैन्य यहाँ तक कि अंतरिक्ष के क्षेत्र में भी इतना मजबूत किया कि पिछले दिनों दुनिया भर में अपनी आक्रामकता दिखने वाले इस्राईल को ईरान के सामने घुटने टेकने पड़े। यहाँ तक कि अपने ऊपर हुये अमेरिकी हवाई हमले का बदला लेकर भी ईरान ने यह साबित कर दिया कि ईरान अन्य अमेरिकी पिछलग्गू अर्ब देशों से बिल्कुल भिन्न सोच व नीति रखने वाला लोकतान्त्रिक देश है। ईरान ने उन कठिन परिस्थितियों में स्वयं को इतना मजबूत किया जबकि अमेरिका ने दशकों से ईरान पर अनेक प्रतिबंध लगा रखे हैं। ईरान ने यह साबित कर दिया है कि अमेरिकी चाटुकारिता या खुशामद परस्ती नहीं बल्कि नेक नीयती, मानवता, शिक्षा, संस्कार,वैज्ञानिक शोध तथा इनसे आने वाली एकजुटता व आत्मनिर्भरता ही किसी भी देश को व उसके स्वाभिमान को बचा सकती है। अन्यथा कतर की ही तरह अन्य आने वाले दिनों में अमेरिकी पिछलग्गुओं को भी ऐसे ही संकटों का सामना करना पड़ेगा। परस्पर विश्वास की कमी के साथ साथ वैसे भी दशकों से अमेरिकी पर आश्रित बना बैठा अधिकांश इस्लामी जगत स्वरचित चक्रव्यूह में ही इतना उलझ चुका है कि उससे निकल पाना आसान नजर नहीं आता।

भाजयुमो द्वारा आयोजित नमो युवा रन में नशा मुक्त मुंबई का संकल्प

मुंबई (उत्तरशक्ति)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिवस के अवसर पर भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो), मुंबई द्वारा रविवार, 21 सितंबर 2025 को एक भव्य और प्रेरणादायी आयोजन नमो युवा रन का आयोजन किया गया। यह दौड़ सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत नशा मुक्त भारत अभियान को समर्पित थी और मुंबई के प्रतिष्ठित कोस्टल रोड प्रोमेनेड, वर्ली पर आयोजित अपनी तरह का पहला सार्वजनिक कार्यक्रम था। इस 5 किलोमीटर लंबी दौड़ में 7,000 से अधिक मुंबईकरों ने भाग लिया। युवाओं, छात्रों, नागरिकों और फिटनेस प्रेमियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हुए नशा मुक्त मुंबई का संकल्प लिया और प्रधानमंत्री के सपनों के नशा मुक्त भारत की दिशा में एकजुट होकर कदम बढ़ाया। रेस का शुभारंभ महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने ध्वज लहराकर किया। उनके साथ मंच पर समाज के विविध क्षेत्रों से कई प्रतिष्ठित हस्तियाँ उपस्थित रहीं, जिनमें भाजयुमो के राष्ट्रीय अध्यक्ष और सांसद तेजस्वी सूर्या, कैबिनेट मंत्री मंगलप्रभात लोढ़ा, भाजपा मुंबई अध्यक्ष एवं विधायक अमित साटम, भाजपा मुंबई उपाध्यक्ष आचार्य पवन त्रिपाठी, पद्मश्री एवं महाराष्ट्र भूषण अभिनेता अशोक सराफ, अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त मॉडल, अभिनेता एवं फिटनेस आइकन मिलिंद सोमन और बिग बॉस फेम नायरा बनर्जी भी सम्मिलित थे। सभी ने इस पहल की सराहना की और युवा शक्ति को राष्ट्र निर्माण का आधार बताया।

भाजयुमो मुंबई ने इस आयोजन के माध्यम से समाज को एक मजबूत

मुख्यमंत्री समेत अनेक हस्तियां हुई शामिल

संदेश देने हेतु मुख्यमंत्री सहायता कोष में 10 लाख रुपए का योगदान भी दिया, जो नशा मुक्ति और सामाजिक उत्थान की दिशा में संगठन की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। नमो युवा रन का आयोजन दो श्रेणियों में किया गया। पुरुष और महिला दोनों वर्गों में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त प्रतिभागियों को स्मृति चिन्ह, प्रमाण पत्र और नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर भाजयुमो मुंबई अध्यक्ष तेजिंदर सिंह तिवाना ने कहा कि जैसे हम अपने प्रियजनों को उनके जन्मदिन पर उनकी पसंद की भेंट देते हैं, वैसे ही हमारा प्रयास है कि हम नमो युवा रन के माध्यम से हमारे प्रधानमंत्री के 75वें जन्मदिवस पर उन्हें एक फिट, प्रेरित और संगठित युवा शक्ति समर्पित करें,जो 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य को साकार करेगी। उन्होंने कहा कि नमो युवा रन केवल एक दौड़ नहीं, बल्कि नशे के विरुद्ध मुंबई के युवाओं का प्रचंड उद्घोष है। सुबह 7 बजे शुरू हुई यह दौड़ मुंबई के कोस्टल रोड प्रोमेनेड को ऊर्जा, उत्साह और राष्ट्रीय चेतना से भर गई।

रेसोनिया ट्रांसमिशन प्रोजेक्ट ग्रामसभाओं के जरिए किसानों का विश्वास जीतने में सफल

पालघर (उत्तरशक्ति)। विक्रमगढ़ तहसील क्षेत्र में हाई-टेंशन बिजली ट्रांसमिशन टावरों के निर्माण कार्य में अग्रणी रेसोनिया लिमिटेड ने किसानों से सीधे संवाद साधने के लिए ग्रामसभा का रास्ता अपनाया है। अब तक उठवली, मोहो खुर्द, बनपूर, मान सहित 16 गांवों में ग्रामसभाएं आयोजित की जा चुकी हैं। इन सभाओं में किसान, महिलाएं और वरिष्ठ नागरिकों ने सक्रिय भागीदारी दर्ज कराई। सभाओं के दौरान खेती के नुकसान, मुआवजा और प्रोजेक्ट से होने वाले संभावित प्रभावों पर खुलकर चर्चा की गई।

किसानों के लिए सबसे बड़ी राहत यह रही कि फसल नुकसान मुआवजे के तौर पर अग्रिम राशि देने की योजना शुरू की गई है। वहीं, निर्माण कार्य के दौरान होने वाले अस्थायी नुकसान का भी ध्यान रखकर उचित मुआवजा दिया जा रहा है, जिससे किसानों में संतोष का माहौल है। कंपनी जिला प्रशासन के संपर्क में रहकर भूमि मुआवजा जल्द से जल्द उपलब्ध कराने के प्रयास में भी जुटी हुई है। वनाधिकार कानून के तहत ग्रामसभाओं के अधिकारों का सम्मान करते हुए रेसोनिया केवल टावर निर्माण तक सीमित न रहकर किसानों के साथ विश्वास और सहयोग का रिश्ता कायम कर रही है। यह पहल विकास कार्यों में पारदर्शिता और सामूहिक सहभागिता की मिसाल बनती जा रही है।

भिवंडी बस डिपो पर चोरों का आतंक, एक दिन में तीन मोबाइल चोरी

भिवंडी। भिवंडी शहर के एसटी बस अड्डे पर मोबाइल चोरों ने आतंक मचा रखा है। बस में जल्दबाजी में चढ़ने वाले यात्रियों की जेब से मोबाइल फोन चोरी की घटनाएं बढ़ने लगी हैं जिससे लोगों में चोरी का भय व्याप्त हो गया है। बताते कि शुक्रवार को शहर में कुल तीन मोबाइल फोन चोरी की घटनाएं हुई जिनमें से दो बस अड्डे पर हुईं। नवीबस्ती निवासी निजामुद्दीन निसार अहमद चौधरी (29) गत रविवार (14) शाम 7 बजे भिवंडी एसटी बस अड्डे पर कल्याण जाने वाली बस में चढ़ रहे थे तभी एक अज्ञात चोर ने उनकी पैंट की जेब से 17,000 रुपये मूल्य का ओप्पो कंपनी का मोबाइल फोन चुरा लिया। एक अन्य घटना में कालवर के मनेश अरविंद म्हात्रे रविवार (14) रात 9 बजे काम के लिए कल्याण जाने के लिए एसटी डिपो भिवंडी से बस में चढ़ रहे थे तभी एक अज्ञात चोर ने उनकी पैंट की जेब से 50,000 रुपये मूल्य का एप्पल आईफोन कंपनी का मोबाइल फोन चुरा लिया। तीसरी घटना में मिल्लतनगर निवासी युवती सदफ अफजल खान (22) सोमवार (15) शाम करीब 7 बजे वंजारपट्टी नाका पर घर का सामान ले जाने के लिए रिक्शे का इंतजार कर रही थीं तभी बारिश के कारण रिक्शा पकड़ने के लिए भीड़ जमा हो गयी भीड़ का फायदा उठाकर अज्ञात चोर ने युवती के बुर्के की जेब से 30,000 रुपये और 10,000 रुपये कीमत का सैमसंग मोबाइल चुरा लिया। तीनों मामलों में शुक्रवार (19) को निजामपुर पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया है।

महाराष्ट्र राज्य में कक्षा 11वीं में ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया का अंतिम मौका, 25 सितंबर तक

पालघर (उत्तरशक्ति)। शैक्षणिक वर्ष 2025-26 के लिए कक्षा 11वीं की ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया की अंतिम फेरी को राज्य सरकार ने मंजूरी दे दी है। इस बार राज्यभर में 21 लाख से अधिक सीटों की क्षमता है, जिनमें से अब तक 13 लाख से अधिक छात्रों को प्रवेश मिल चुका है। शेष रिक्त सीटों के लिए विद्यार्थियों को एक और मौका दिया जा रहा है।

राज्य में कुल प्रवेश क्षमता 21,59,232 है। इस वर्ष 14,85,686 विद्यार्थियों ने नामांकन कराया है, जिनमें से 13,43,969 विद्यार्थियों ने प्रवेश अर्जी का भाग-1 (नोंदणी) और भाग-2 (कॉलेज पसंती सूची) पूर्ण किया। अब तक 13,33,893 छात्रों को कनिष्ठ महाविद्यालय (जूनियर कॉलेज) में प्रवेश सुनिश्चित हुआ है। फिर भी कुछ कारणों से खाली रहे सीटों के लिए अंतिम बार आयोजित की जा रही है। ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया 23 सितंबर सुबह 11 बजे से 24 सितंबर शाम 5 बजे तक चलेगी। अल्पसंख्यक, प्रबंधन व अन्य आरक्षित कोटा प्रवेश भी इसी कालावधीत होंगे। छात्र 25 सितंबर तक सीधे कॉलेज जाकर भी प्रवेश ले सकते हैं। प्रवेश प्रक्रिया के दौरान लॉग-इन करके अपनी जानकारी जांचना, आवश्यक दस्तावेज अपलोड करना और तय कॉलेज में समय पर जाकर प्रवेश की औपचारिकताएं पूरी करना अनिवार्य है। दस्तावेजों की जांच पूरी होने के बाद ही प्रवेश को अंतिम माना जायेगा। एक बार प्रवेश मिल जाने पर वह अंतिम रहेगा। यदि समय पर प्रवेश नहीं लिया गया तो आगे कोई अवसर नहीं मिलेगा। इस संदर्भ में कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे और शिक्षणाधिकारी (माध्यमिक) अशोक पाटील ने विद्यार्थियों से समय पर प्रवेश लेने की अपील की है। शिक्षण संचालक (माध्यमिक व उच्च माध्यमिक) डॉ. महेश पालकर ने भी कहा है कि विद्यार्थियों और अभिभावकों को समय पर आवश्यक दस्तावेजों के साथ कॉलेज जाकर प्रवेश प्रक्रिया पूरी करनी चाहिए, अन्यथा प्रवेश का मौका हाथ से निकल सकता है।

शीर्ष ब्रांडों पर धमाकेदार डील्स के साथ वापस आया आईसीआईसीआई बैंक का फेस्टिव बोनांजा

मुंबई/पटना। आईसीआईसीआई बैंक का वार्षिक फेस्टिव बोनांजा एक बार फिर से आकर्षक ऑफर्स के साथ लौट आया है। यह ऑफर्स ऑनलाइन शॉपिंग, मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, फैशन, ट्रैवल, किराना, [illegible] कॉमर्स, फर्नीचर और डाइनिंग जैसी कई श्रेणियों पर उपलब्ध हैं। ग्राहक ?50,000 तक की छूट/कैशबैक का लाभ बैंक के क्रेडिट/डेबिट कार्ड, इंटरनेट बैंकिंग, कार्डलेस ईएमआई और कंज्यूमर फाइनेंस का उपयोग कर उठा सकते हैं। साथ ही, वे क्रेडिट/डेबिट कार्ड पर नो-कॉस्ट ईएमआई का विकल्प भी चुन सकते हैं। बैंक ने एप्पल, फ्लिपकार्ट, क्रोमा, रिलायंस डिजिटल, वनप्लस, मेकमाईट्रिप, गोआईबिबो, यात्रा, ब्लिंकिट, स्विगी, आजियो, डिस्ट्रिक्ट और पेप्परफ्राई जैसे प्रमुख ब्रांड्स के साथ साझेदारी की है। साथ ही, बैंक फ्लिपकार्ट बिग बिलियन डेज का पार्टनर है, जिसमें 23 सितम्बर से 2 अक्टूबर, 2025 तक ग्राहकों को ?4,500 तक की अतिरिक्त 10% छूट मिलेगी। ग्राहक आईसीआईसीआई बैंक क्रेडिट कार्ड और डेबिट कार्ड ईएमआई के जरिए एप्पल-अथॉराइज्ड स्टोर्स पर खरीदारी करते समय ?6,000 तक का इंस्टेंट कैशबैक ले सकते हैं। साथ ही, वे [illegible] प्रोग्राम का विकल्प भी चुन सकते हैं, जिसमें 24 नो-कॉस्ट ईएमआई के साथ आईफोन 17 का सिर्फ 75% मूल्य चुकाना होगा। बैंक ने अपने लोन प्रोडक्ट्स पर भी विशेष ऑफर्स दिए हैं। लॉन्च के अवसर पर आईसीआईसीआई बैंक के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर, श्री राकेश झा ने कहा, हर साल हमारा फेस्टिव बोनांजा त्योहारों की खुशी और मूल्य को और बढ़ाता है। इस साल हमें खुशी है कि हम शीर्ष ब्रांड्स पर ढेरों ऑफर्स ला रहे हैं।

डॉ अनील काशी मुरारका ने किया श्री शतचंडी महायज्ञ के पंडाल का लोकार्पण

मुंबई (उत्तरशक्ति)। श्री रानी सती प्रचार समिति मलाड (पूर्व) द्वारा अपनी स्थापना के 50 वें स्वर्ण जयंती वर्ष के अवसर पर यज्ञ वाटिका मलाड पूर्व में 22 सितंबर से 1 अक्टूबर तक 10 दिवसीय श्री शतचंडी महायज्ञ का भव्य आयोजन किया गया है। 20 सितंबर को शाम 9:30 बजे उद्योगपति एवं समाजसेवी डॉ अनील काशी मुरारका ने इसके पंडाल का लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि यह आयोजन केवल धार्मिक अनुष्ठान ही नहीं अपितु हमारी अध्यात्मिक परंपराओं, सांस्कृतिक धरोहर एवं समाज सेवा के संकल्प का उत्सव भी है। मुख्य यजमान के रूप में विजय पोद्दार एवं उनकी धर्मपत्नी रितु पोद्दार लोकार्पण कार्यक्रम में शामिल रहे।

समिति की अध्यक्ष कुसुम माहेश्वरी ने बताया कि पूरे मुंबई से भक्त शामिल होंगे। प्रतिदिन सुबह से शाम तक वैदिक मंत्रोच्चार, हवन, दुर्गा सप्तशती पाठ, प्रवचन एवं भजन संध्या का आयोजन होगा।

पांच साल की मेहनत के बाद मिली सफलता अब नरीमन प्वाइंट से मीरा भायंदर सिर्फ आधे घंटे में

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मुंबई केंद्रीय नमक मंत्रालय ने दहिसर-भायंदर राजमार्ग के निर्माण में आ रही एक बड़ी बाधा को दूर करते हुए अपनी जमीन राज्य सरकार को हस्तांतरित कर दी है। परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने बताया कि अगले तीन वर्षों में इस सड़क के पूरा हो जाने पर, कोस्टल रोड के जरिए नरीमन पॉइंट से मीरा-भायंदर की दूरी सिर्फ. आधे घंटे में तय की जा सकेगी।

मंत्री सरनाईक ने बताया कि पिछले 4-5 वर्षों से केंद्रीय नमक मंत्रालय और राज्य सरकार के साथ लगातार संपर्क के बाद, केंद्रीय नमक मंत्रालय ने दहिसर-भायंदर 60 मीटर सड़क में 53.17 एकड़ जमीन राज्य सरकार के माध्यम से मीरा-भायंदर नगर निगम को हस्तांतरित करने की मंजूरी दे दी है। इस से दहिसर से भायंदर और आगे वसई-विरार तक सड़क निर्माण का रास्ता साफ हो गया है। इस से तटीय सड़क मार्ग से नरीमन पॉइंट से मीरा-भायंदर की दूरी अब सिर्फ.डेढ़ घंटे की रह गई है। कोस्टल रोड मुंबई नगर निगम से होते हुए उत्तन तक पहुँचेगी। वहाँ से 60 मीटर चौड़ी दहिसर-भायंदर सड़क मीरा रोड स्थित सुभाष चंद्र बोस मैदान तक पहुँचेगी और वहाँ से वसई और विरार, दो शहरों को जोड़ेगी। इस सड़क के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। यह काम एल.ए.टी. कंपनी द्वारा किया जाएगा और यह परियोजना अगले तीन वर्षों में पूरी हो जाएगी। मुंबई महानगरपालिका इसके लिए 3,000 करोड़ रुपये का खर्च वहन करेगी। उत्तन से विरार तक तटीय सड़क का वहां के मछुआरों ने विरोध किया था। प्रताप सरनाईक ने यह मांग मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के समक्ष रखी और उस मांग को मंजूरी मिली। इसलिए, यह मार्ग उत्तन से दहिसर और वहां से मीरा-भायंदर होते हुए वसई विरार तक जाएगा। इसलिए, सरकार ने उत्तन के मछुआरों की जायज मांग पर सहानुभूतिपूर्वक विचार किया है। प्रताप सरनाईक ने कहा। भविष्य में, यह मार्ग वसई विरार से वधान बंदरगाह तक जाएगा। इसलिए, इससे मीरा-भायंदर शहर को लाभ होगा। साथ ही, मीरा-भायंदर शहर मुंबई से और अधिक जुड़ जाएगा और मुंबई शहर के एक उपनगर के रूप में अपनी पहचान स्थापित करेगा! परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने ऐसा विश्वास व्यक्त किया।

उपनियंत्रक नागरी संरक्षण दल पालघर द्वारा आयोजित पांच दिवसीय आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण सम्पन्न

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। महाराष्ट्र शासन गृह विभाग के विशेष उपनियंत्रक, नागरी संरक्षण दल (सिविल डिफेंस), जिला पालघर कार्यालय की ओर से बोईसर शहर क्षेत्र अंतर्गत ग्रुप ग्रामपंचायत पास्थल-सालगाव के सभागृह में दिनांक 16 सितंबर 2025 से 20 सितंबर 2025 तक पांच दिवसीय मूलभूत प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण उपनियंत्रक काशिनाथ आर. कुरकुटे के मार्गदर्शन तथा बोईसर विधानसभा क्षेत्र के विभागीय क्षेत्ररक्षक नरेश अनंत म्हस्के के नेतृत्व में सम्पन्न हुआ।

बतादें कि भारत-पाक युद्ध के बाद भारत सरकार ने सिविल डिफेंस/नागरिक सुरक्षा दल की स्थापना कर राज्य सरकार के माध्यम से नागरिकों को आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के लिए विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण देने का कार्य शुरू किया। इस पांच दिवसीय प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को प्राकृतिक व मानवनिर्मित आपदा प्रबंधन, युद्ध की अवधारणा, प्राथमिक उपचार, बैंडेज बांधना, हड्डी टूटने की स्थिति में उपाय, आग व उसका वर्गीकरण, कृत्रिम स्ट्रेचर बनाना, आपातकालीन उठाव पद्धतियां, सांप के काटने पर उपचार, दौरे पड़ना, सीपीआर, कंट्रोल एंड कम्युनिकेशन, खतरे का संकेत देने वाली चेतावनी प्रणाली, ब्लैकआउट आदि विषयों पर व्याख्यान एवं प्रत्यक्षिक प्रदर्शन कराया गया। प्रशिक्षण के दौरान विभागीय क्षेत्ररक्षक/मानसेवी निदेशक नरेश म्हस्के, मानसेवी निदेशक नरेंद्र सोलंकी, मास्टर ट्रेनर लोचन तामोरे, स्मिता मालवदे, विद्या मोरे, सुषमा जाधव, प्रिया पाटील, ज्योती मोरे, मेघना वैराल तथा कृतिक धामणकर ने क्रमशः व्याख्यान एवं प्रत्यक्षिक प्रस्तुत किये। कार्यलयीन अधिकारी अनंता पिरकर की अध्यक्षता में शनिवार 20 सितंबर 2025 को प्रशिक्षण वर्ग का समापन सामूहिक राष्ट्रगान के साथ किया गया।

महाराष्ट्र कूर्मि क्षत्रिय महासभा के जिलाध्यक्षों की घोषणा

मुंबई (उत्तरशक्ति)। अ. भा. कूर्मि क्षत्रिय महासभा, महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष संजय पाटील ने निम्नलिखित समाजसेवियों को जिलाध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया है। ठाणे - किरण पाटील,रायगड - प्रकाश चांदीवडे,मुंबई उपनगर - राजू धाडवे,मुंबई शहर - व्रज पटेल, रत्नागिरी- संजय धनावडे,सिंधुदुर्ग- डॉ प्रविण गोरुले, नाशिक-निवृत्ती न्याहारकर,पुणे- विठ्ठलराव पाचबोले, सातारा- उदयकुमार पाटील, कोल्हापूर-नारायणपोवार, सांगली- प्रा, रणजितसिंग चव्हाण,अमरावती - डॉ प्रशांत च्हाटे. चंद्रपूर- रमेश राजुरकर, गोंदिया - अभयकुमार ढेंगे . वाशिम -प्रा रमेश फुके. छ संभाजी नगर - सरदार विजय काकडे, धुळे - विजय पवार. जळगाव- प्रा, दिपक पाटील. अहिल्यानगर- दिपक आगळे पाटील.नागपूर- इंजि. जैनेंद्रसिन्हा, बुलढाणा- पांडुरंग जानोकार,ठाणे शहर-प्रा किरण घरत ।जिला उपाध्यक्ष- पालघर सीताराम पाटील. ठाणे- मोहन पाटील. ठाणे- महासचिव शेखर भोईर। इनके अलावा संरक्षक के रूप में प्रा संजय जाधव, प्रा नामदेवराव जाधव, एड. गोपाल शेळके, प्रदेश उपाध्यक्ष के रूप में समाजसेवी अजित राऊत, श्रीमती जयश्रीताई श्रेणिक पाटील,डॉ.राम मूर्ति वर्मा, डॉ. सचिन सिंह पटेल, वी.के वर्मा , अजय पटेल, प्रदेश संघटक नामदेव वैद्य,उद्योग महासभा ठाणे पालघर उपाध्यक्ष विजय राव, किसान महासभा पालघर जिल्हा अध्यक्ष भाई कराळे की नियुक्ति की गयी है। नव नियुक्त पदाधिकारियों को महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष वी एस निरंजन, पूर्व अध्यक्ष एल. पी. पटेल, महिला अध्यक्ष लता चंद्राकर, युवा अध्यक्ष धीरज पाटीदार, वरिष्ठ समाजसेवी डॉ. बाबूलाल सिंह पटेल ने बधाई एवं शुभकामनायें प्रदान किया है।

स्किल डेवलपमेंट प्रोजेक्ट अंतर्गत 30 दिवसीय पंखा निर्माण प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारंभ

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। केसीएन क्लब क्लब की सैनिक उपशाखा वेटरन्स भारत व पूर्व सैनिक संगठन के संयुक्त प्रयास से स्किल डेवलपमेंट प्रोजेक्ट अंतर्गत 30 दिवसीय पंखा निर्माण प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारंभ किया गया। प्रशिक्षण कार्यशाला की शुरूआत पालघर जिले के सातपाटी ग्राम अंतर्गत महात्रे हाऊस, ग्राम पंचायत सातपाटी, बाजार रोड़, तहसील व जिला पालघर महाराष्ट्र में स्थानीय सहयोग से प्राप्त कक्ष में किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन वेटरन्स भारत के राष्ट्रीय महासचिव भाऊराव तायड़े द्वारा फीता काटकर व केसीएन क्लब राष्ट्रीय अध्यक्ष नन्दन मिश्र त्यागी द्वारा नारियल तोड़कर किया गया। प्रशिक्षण कार्यशाला में पंखा निर्माण प्रशिक्षण कार्य नायक रेखराज टांक द्वारा किया जायेगा। व्यवसायिक प्रशिक्षण केसीएन क्लब अध्यक्ष नँदन मिश्र त्यागी द्वारा व बैंकिंग लोन सम्बंधित प्रशिक्षण बैंकिंग स्पर्ट द्वारा किया जायेगा। 15 सितंबर से टीम का आगमन हुआ था पिछले तीन दिनों में प्रशिक्षण केंद्र व सहायक सामग्री इकट्ठा की गई गुरुवार 18 सितंबर को कार्यशाला का शुभारंभ कर दिया गया। कार्यक्रम में गट विकास अधिकारी पालघर, जिलापरिषद उम्मेद तहसील अधिकारी राजश्री माने, सातपाटी प्रभाग सी सी सुरेश माछी, सातपाटी ग्राम पंचायत के सरपंच सीमा भोईर, उपसरपंच अभिजीत तरे, बैंकर सुनील पाण्डेय, केसीएन क्लब टीम के डॉ सत्येंद्र यादव, ईशा चौधरी, सुषमा महात्रे, वैदेही पाटील, हर्षदा पाटील, समीक्षा पागधरे, मनीषा मेहेर, शलाका तरे, मनस्वी पाटील, दिव्या राऊत, रुपाली भोईर, मंगला मांडेकर , गंगाधर जागुष्टे, राकेश आचार्य, यजुवेंद्र सावे, सुनील पाटील, सहित त्रिवेणी महिला मंडल की महिलाएं व स्थानीय लोग उपस्थित थे।

ऑल-न्यू अल्ट्रोज को मिली 5-स्टार भारत NCAP रेटिंग

मुंबई (उत्तरशक्ति)। देश की अग्रणी ऑटोमोबाइल निमार्ता टाटा मोटर्स ने आज घोषणा की कि ऑल-न्यू अल्ट्रोज को भारत NCAP (B–NCAP) से 5-स्टार सेफ्टी रेटिंग प्राप्त हुई है। वयस्क सुरक्षा श्रेणी में 29.65/32 और बच्चों की सुरक्षा श्रेणी में 44.9/49 अंकों के साथ, अल्ट्रोज अब आधिकारिक रूप से भारत की सबसे सुरक्षित हैचबैक बन गई है।

अल्ट्रोज पहले ही सुरक्षा के लिए एक मानक स्थापित कर चुकी है। वर्ष 2020 में यह ग्लोबल NCAP से 5-स्टार रेटिंग पाने वाली भारत की पहली हैचबैक बनी थी। खास बात यह है कि यह देश की एकमात्र प्रीमियम हैचबैक है, जो पेट्रोल, डीजल और CNG – तीनों विकल्पों में उपलब्ध है। अब इसने इतिहास रचा है क्योंकि यह अपने सेगमेंट की पहली कार बन गई है, जिसे भारत NCAP के तहत सभी पावरट्रेन (पेट्रोल, डीजल और CNG) पर 5-स्टार रेटिंग प्राप्त हुई है। इसके साथ ही, यह भारत की पहली CNG कार भी बन गई है, जिसे इतनी ऊँची सुरक्षा रेटिंग मिली है। यह उपलब्धि दिखाती है कि अल्ट्रोज हर फ्यूल टाइप में सबसे सुरक्षित और भरोसेमंद विकल्प बनी हुई है। इस उपलब्धि पर अपनी खुशी जताते हुए, श्री मोहन सावरकर, वाइस प्रेसिडेंट और चीफ प्रोडक्ट ऑफिसर, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड, ने कहा, अल्ट्रोज हमेशा से प्रीमियम हैचबैक सेगमेंट में अग्रणी रही है। आधुनिक डिजाइन, एडवांस्ड टेक्नोलॉजी और मल्टी-पावरट्रेन विकल्पों के साथ यह ग्राहकों को सचमुच स्पेशल फील कराती है। अब भारत NCAP से पेट्रोल, डीजल और CNG पर 5-स्टार रेटिंग हासिल कर, अल्ट्रोज ने एक बार फिर उद्योग के नए मानक तय किए हैं और देश की सबसे सुरक्षित हैचबैक के रूप में अपनी पहचान को मजबूत किया है। यह उपलब्धि हमारी उस प्रतिबद्धता को भी दोहराती है, जिसके तहत हम अपने ग्राहकों को भरोसेमंद और सुरक्षित वाहन उपलब्ध कराने का वादा करते हैं।

ओबेन इलेक्ट्रिक की महाराष्ट्र में विस्तार योजना

मुंबई। भारत की घरेलू और रिसर्च-बेस्ड इलेक्ट्रिक मोटर साइकिल कंपनी ओबेन इलेक्ट्रिक ने आज महाराष्ट्र में अपना नेटवर्क बढ़ाने की घोषणा की। कंपनी इस वित्तीय वर्ष में 10 नए शो-रूम और सर्विस सेंटर खोलने जा रही है। यह कदम कंपनी के नए मॉडल Rorr EZ Sigma को मिले जबरदस्त रिस्पॉन्स के बाद उठाया गया है, जिसे राज्य में डेली राइड करने वाले लोगों ने तेजी से अपनाया है। अभी तक कंपनी के 5 शो-रूम चालू हो चुके हैं, और आने वाले समय में ओबेन इलेक्ट्रिक महाराष्ट्र के सभी बड़े शहरों में एक मजबूत नेटवर्क बनाने की तैयारी में है। पुणे में कंपनी ने अब तक वाकड, शिवाजीनगर, धनकवड़ी और चिंचवड़ में चार शो-रूम शुरू कर दिए हैं। इससे साफ पता चलता है कि शहर में लोग तेजी से इलेक्ट्रिक वाहनों को अपना रहे हैं। पुणे के अलावा, जलना रोड, छत्रपति संभाजीनगर में भी ओबेन इलेक्ट्रिक का एक शो-रूम चालू है। यह कदम दिखाता है कि कंपनी पूरे महाराष्ट्र में लोगों को आसानी से मिलने वाले और भरोसेमंद इलेक्ट्रिक वाहन समाधान देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

ओबेन इलेक्ट्रिक के वाइस प्रेसिडेंट-सेल्स और नेटवर्क डेवलपमेंट श्री हर्षवर्धन देशमुख ने कहा, 'महाराष्ट्र हमेशा से नई तरह की मोबिलिटी अपनाने में आगे रहा है और इस बदलाव में पुणे सबसे आगे है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालयः
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.-** 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

फौजी के घर को चोरों ने बनाया निशाना, नकदी सहित लाखों के जेवरात चोरी कर हुए फरार

दो गांव के दो घरों का ताला तोड़ 14 हजार नकदी सहित आठ से दस लाख के जेवरात किये पार

घर से पचास मीटर दूर धान की खेत में पड़ा मिला बक्सा और बैग

चोर मन्दिर पर लगी बड़ी लाइट को रात में बंद कर पहुंचे घरः ग्रामीणों का आरोप

केराकत,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत खटहरा व पतौरा गांव में शुक्रवार की बीती रात दो घरों से 14 हजार नकद सहित लगभग आठ से दस लाख का जेवरात उठा ले गये। पतौरा गांव निवासी राकेश यादव के घर में पीछे से चोरो ने घुस कर आलमारी से एक सोने का हार, दो सोने की सिकड़ी, एक सोने की अंगुठी, दो पायल, एक हसुली व लगभग दस हजार नकद उठा ले गये। वहीं बगल के लगभग बीस मीटर की दूरी पर सरहदी खटहरा गांव निवासी फौजी रविन्द्र यादव पुत्र खेलावन यादव के घर से एक सोने का हार, दो सोने का झुमका, एक सोने का मांग टीका, दो चांदी के पैजनी, एक सोने की नथिया, एक सोने की मंगलसूत्र, पांच जोड़ा चांदी का मीना, तीन सोने की अंगुठी, एक चांदी का करधन, एक सोने का लाकेट, एक सोने का चन्द्रमा, दो चांदी की बचकानी पायल, दो चांदी का चुल्ला, सहित चार हजार रुपए नकद उठा ले गये। फौजी रविन्द्र यादव ने बताया कि हम फौज (इंडियन आर्मी) की नौकरी करते हैं, हम देश की सुरक्षा करते हैं, और जब हमारा घर ही सुरक्षित नहीं होगा तो, हम लोग कैसे देश की सुरक्षा कर पाएंगे।

लोगो के अनुसार दोनो घरों का मिला कर 14 हजार नकद सहित सब मिला कर आठ से दस लाख रुपए के कीमत की जेवरात उठा ले गये। चोरो ने राकेश यादव के घर से पचास मीटर की दूरी पर धान की खेत में बक्सा व बैग फेक दिए थे। सुचना पर डायल 112 पीआरबी पुलिस व फोरेंसिक व फिंगर प्रिंट टीम के एस आई सुबाष सिंह व मुख्य आरक्षी सुजेश कुमार मौके पर पहुंच कर जांच शुरू कर दिए थे।

अनियंत्रित ट्रेलर पलटा, केबिन में फंसे चालक को कड़ी मशक्कत के बाद निकाला गया बाहर

सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस राहत बचाव कार्य में जुटी

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। वाराणसी-शक्तिनगर राज्यमार्ग पर चोपन थाना क्षेत्र के पटवध के पास देर रात एक हादसा हुआ। राखड़ से भरा एक ट्रेलर अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में ट्रेलर का मोबिल समेत राखड़ सड़क पर बिखर गया। दुर्घटना की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए।

मिली जानकारी के अनुसार हादसे में चालक ट्रेलर के केबिन में फंस गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और बचाव कार्य शुरू किया। स्थानीय लोगों की मदद से काफी मशक्कत के बाद चालक को केबिन से बाहर निकाला गया। घायल चालक को तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) चोपन ले जाया गया। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार किया। चालक की स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार शनिवार को ट्रेलर वाहन संख्या यूपी 50 डीटी 8779 को लेकर ड्राइवर अनिल पुत्र लल्लू निवासी धनरौल बांध थाना रॉबर्ट्सगंज सोनभद्र व खलासी राहुल कुमार पुत्र बालकृष्ण निवासी करगरा थाना चोपन सोनभद्र जो सोनभद्र से राखड़ लादकर जनपद जौनपुर के लिये जा रहा था। ग्राम पटवध में अनियन्त्रित होकर पलट गया। जिसमे खलासी राहुल कुमार को मामूली चोटे आयीं थी। घटना को लेकर लॉ & आर्डर की कोई समस्या नहीं है। यातायात व्यवस्था सुचारु रुप से चल रही है।

मौके पर मौजूद चालक अनिल ने बताया साथ में मौजूद सेकेंडियर को हादसे में चोट आई है। दुर्घटना के समय वाहन वही चला रहा था। वाहन को नुकसान हुआ है। वाहन स्वामी आजमगढ़ का रहने वाला है जिसको हादसे की सूचना दे दी गई है।

जौनपुर के जिलाधिकारी की सुपुत्री को एम.ए. इकोनॉमिक्स में टॉप करने पर मिला स्वर्ण पदक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले के लिए गर्व और हर्ष का क्षण है। जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद सिंह की सुपुत्री आस्था सिंह ने एम.ए. इकोनॉमिक्स में विश्वविद्यालय टॉप कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया है। उन्हें यह सम्मान सहारनपुर स्थित माँ शाकुंभरी विश्वविद्यालय के भव्य दीक्षांत समारोह में प्रदान किया गया।

इस अवसर पर प्रदेश की महामहिम राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने स्वयं आस्था सिंह को स्वर्ण पदक पहनाकर सम्मानित किया। बेटी की इस उपलब्धि से न केवल परिवार, बल्कि पूरे जौनपुर जनपद का गौरव बढ़ा है। आस्था की सफलता से जिले के छात्र-छात्राओं में उत्साह का माहौल है। जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद सिंह ने कहा कि यह उनके जीवन का गर्वपूर्ण क्षण है। आस्था ने निरंतर परिश्रम और लगन से यह उपलब्धि हासिल की है, जो युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत बनेगी।

भरत मिलाप मेला को लेकर जौनपुर मार्ग से डिवाइडर हटाने की मांग

रियाजुल हक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मुंगराबादशाहपुर ऐतिहासिक भरत मिलाप और मां दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान चौकियों और झांकियों के सुचारू रूप से निकलने के लिए भरत मिलाप रोशनी मेला महासमिति के अध्यक्ष आलोक कुमार गुप्ता पिंटू ने सीओ प्रतिमा वर्मा और प्रभारी निरीक्षक के के सिंह को ज्ञापन सौंपा।

आलोक कुमार गुप्ता पिंटू ने बताया कि जौनपुर मार्ग पर लगे डिवाइडर के कारण सड़क की चौड़ाई केवल 8 से 10 फीट हो गई है, जिससे चौकियों और डीजे के निकलने में अवरोध उत्पन्न होगा। उन्होंने बताया कि चौकियों पर लाइटिंग सजावट की जाती है और डीजे की चौड़ाई लगभग 12 से 14 फीट होती है। जिससे डिवाइडर के कारण निकलना मुश्किल होगा।भरत मिलाप मेला में डेढ़ दर्जन से अधिक चौकियां और डीजे निकलती हैं। जबकि दुर्गा प्रतिमा विसर्जन में सौ से अधिक मां की प्रतिमाएं शामिल होती हैं। इस अवसर पर लाखों दर्शकों की भीड़ उमड़ती है। सीओ प्रतिमा वर्मा और प्रभारी निरीक्षक के के सिंह ने डिवाइडर हटवाने का आश्वासन दिया है, जिससे मेले का आयोजन सुचारू रूप से हो सके।

जौनपुर में आरएसएस ने अपने शताब्दी वर्ष मनाने पर गांव में की चर्चा

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। चिरैयाडीह गाँव में मुम्बई के शिक्षक नेता के0 पी0 के आवास पर आरएसएस से जुडने और आगामी सभी कार्यक्रमों में गणवेश में आने के लिए कार्यकर्ताओ की एक बैठक आरएसएस की ओर से आहुत की गई। बता दें कि आरएसएस की स्थापना के सौ साल पूरे होने जा रहा है। जिसके उपलक्ष्य में पूरे साल पथ संचलन, आरएसएस की नीतियों, इतिहास से परिचित कराने के लिए गाँव गाँव अभियान चलाकर लोगों को जोडने और जागरूकता अभियान शुरू करने की तैयारी की जा रही है जिससे देशभक्ति और भाईचारे की भावना बढे समाज के अंतिम लोगों तक पहुंच बनाने का सघन अभियान शुरू करने जा रहा है। पंच प्रण का संकल्प लिए गए जिसमें सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, नागरिक कर्तव्य व स्व बोध का विकास पर व्यापक चर्चा की गई। संगठित समाज से सबका हित होने वाला है। ऐसे कई कार्यक्रम जिसकी रूपरेखा बनाई गई है उसे जन जन तक पहुंचाने की तैयारी की जा रही है। बैठक मे कई गणमान्य उपस्थित रहे जिनका पाथेय विरेन्द्र, राकेश, आशुतोष, व के 0पी0 द्वारा प्राप्त हुआ। आरएसएस के कार्यकर्ता खण्ड ग्राम विकास प्रमुख आशुतोष, मण्डल संयोजक खलीलपुर घनश्याम ,सुरेन्द्र, मुनई, विनोद व खण्ड प्रचार प्रमुख राकेश व अन्य कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सूत्र संचालन व आभार केपी ने व्यक्त किया ।सभी उपस्थित कार्यकर्ताओ एवं गणमान्यों को जलपान के उपरांत समापन की घोषणा की गई।

दुर्गा पूजा पंडालों में सीसीटीवी कैमरे और अग्निशमन यंत्र लगाना होगा अनिवार्य

मुंगराबादशाहपुर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना परिसर में रविवार को एक बैठक सीओ प्रतिमा वर्मा की अध्यक्षता में आयोजित की गई जिसमें नगर व ग्रामीण के पूजा पंडालों के प्रतिनिधियों सहित क्षेत्र के संभ्रांत व्यक्तियों ने हिस्सा लिया।

सीओ प्रतिमा वर्मा ने सभी पूजा पंडाल प्रतिनिधियों से आश्वासन देते हुए कहा कि पुलिस प्रशासन की ओर से सभी पंडालों को सुरक्षा और सहयोग प्रदान किया जाएगा उन्होंने सभी पूजा पंडालों के प्रतिनिधियों को सीसीटीवी कैमरा लगाने, सभी पंडालों में वॉलेन्टियर तैयार करने, विसर्जन समय का पालन करने, विसर्जन के दौरान गोताखोर की तैनाती, आपसी सौहार्द के साथ मनाने, पंडाल में अग्निशमन यंत्र व एक ड्रम पानी और चार बाल्टी बालू रखने, पंडाल के बाहर दुर्गा प्रतिमा स्थापित करने वाले संस्थापक व

सीओ प्रतिमा वर्मा ने दिया आवश्यक दिशा निर्देश

अध्यक्ष का नाम व मोबाइल नंबर का होर्डिंग लगाने, सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट व कमेंट न करने सहित अन्य आवश्यक निर्देश दिए। इसके अलावा, सीओ प्रतिमा वर्मा ने थाना प्रभारी केके सिंह को पंडालों में महिला और पुरुषों के लिए अलग-अलग प्रवेश और निकास की व्यवस्था करने, मूर्ति विसर्जन के समय जारी निदेर्शों का अनुपालन निर्धारित

रूट, समय और स्थल पर विसर्जन आदि को लेकर आवश्यक निर्देश दिया। बैठक में पूजा पंडाल के प्रतिनिधियों ने नवरात्रि के नौ दिनों विद्युत व्यवस्था सुचार ढंग से देने, साफ-सफाई व्यवस्था, जर्जर सड़कों की मरम्मत, विसर्जन के दौरान कुंड में गोताखोर की व्यवस्था, दुर्गा पंडाल के समीप दारू ठेके व मीट की दुकानों के प्रतिबंध करने सहित सुरक्षा व्यवस्था की मांग की।थाना प्रभारी केके सिंह ने कहा कि नवरात्रि के दौरान पूजा पंडालों में अराजकता फैलाने वाले पर पुलिस की पैनी नजर होगी।

इस अवसर पर चेयरमैन कपिल मुनि ऊमरवैश्य, मेला महासमिति अध्यक्ष आलोक गुप्ता पिंटू, राजकुमार जायसवाल, रंजीत गुप्ता, बैजनाथ साहू, अनिल भूरे, राजकुमार ऊमरवैश्य नेता, सूर्य लाल जायसवाल, संतोष मोदनवाल, सुरेश सोनी, इन्द्रजीत पटेल, अजय साहू, अनुज साहू, माधवेन्द्र सिंह, मोहित गुप्ता, ज्ञान बाबू केसरवानी, संदीप केसरवानी, सुनील साहू, नीशू केशरी व अनुज श्रीवास्तव आदि लोग मौजूद रहे।

ट्रक चालक के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का केस दर्ज

दुर्घटना में दो सगे भाइयों की एक साथ हुई थी मौत

खुटहन, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। 21 सितंबर धमौर नसीबसराय बाजार में बीते गुरुवार की शाम ट्रक से कुचल कर बाइक सवार दो सगे भाइयों की मौत के मामले में पुलिस ने अज्ञात चालक के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का केस दर्ज कर लिया है। दुर्घटना के बाद चालक ट्रक सहित फरार हो गया था। ट्रक को पुलिस ने कब्जे में ले लिया है। चालक की तलाश की जा रही है। आजमगढ़ जिले के बरदह थाना क्षेत्र के जीवली गांव निवासी कुमारी श्रेयांसि इमामपुर बाजार में किराए के कमरे में रहकर यहां एक इंस्टीट्यूट में पढ़ाई करती है। शाम लगभग साढ़े सात बजे उसके सगे भाई 19 वर्षीय प्रियांशू और 11 वर्षीय आयुष यादव पुत्र गण रंजीत यादव घर से खाद्यान्न व अन्य सामान लेकर बाइक से पहुंचाने आ रहे थे। उक्त बाजार में सामने से तेज गति से आ रहा ट्रक उन्हें रौंदते हुए निकल गया। घटनास्थल पर ही दोनों भाइयों की दर्दनाक मौत हो गई थी। घटना की तहरीर श्रेयांसि ने थाने में दिया। जिसमें उसने ट्रक का रजिस्ट्रेशन नंबर भी अंकित किया था। जिसके आधार पर पुलिस ट्रक को कब्जे में ले लिया है।

धरने पर बैठे किसानों की मांग पर डीएम के निर्देश पर लग रही रेलिंग

चंदवक, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। राष्ट्रीय राजमार्ग 233 के केराकत तहसील क्षेत्र में अधूरे पड़े सड़क के निर्माण, आए दिन हो रही सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए दुघर्टना संभावित क्षेत्रों के पास रेलिंग लगाने सहित विभिन्न मांगों को लेकर किसानों द्वारा किसान नेता अजीत सिंह के नेतृत्व में 10 दिन पूर्व गांधी पार्क में किए गए धरने प्रदर्शन का जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद के निर्देश का संज्ञान लेते हुए एनएचएआई ने रविवार को वीरभानपुर गांव के सामने रेलिंग लगानी शुरू कर दी। रेलिंग दुर्घटना बाहुल्य क्षेत्र बीरभानपुर के अलावा गोमती पुल के दोनों तरफ, खुज्झी नाला तथा कनौरा गांव में लगाया जाना है।

जौनपुर में सो रही महिला को सर्प ने डंसा, हुई मौत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले के बरसठी थाना क्षेत्र के तेजगढ़ गांव निवासी 22 वर्षीय किरण देवी पत्नी पंजाबी सोनकर शनिवार की रात अपने कमरे में सो रही थी। रोज की तरह जब रविवार की सुबह करीब 7 बजे नहीं उठी तो घर की महिलाएं उसके कमरे में जाकर देखा तो मुंह और नाक से झाग आ रहा था। परिजनों में अफरातफरी मच गई। गांव के काफी लोग इकट्ठा हो गए। तत्काल उन्हें गोपालापुर दवा पिलाने वाले के यहां ले गए जहां उसने बताया कि महिला की मौत हो चुकी है, उसे कई घंटे पहले ही सर्प ने काटा है। परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना मायके वालों को हुई तो वह भी पहुंच गए। पुलिस को सूचना हुई तो शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पूछताछ के लिए लड़के के पिता और लड़के को थाने ले गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद कार्रवाई की जाएगी।

उपजिलाधिकारी के हाथों खतौनी पाकर महिला की खुशी का नहीं रहा ठिकाना

मछलीशहर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय तहसील क्षेत्र के निवासी कस्बा घिसआ की महिला उपजिलाधिकारी के हाथों उद्धरण खतौनी पाकर खुशी से झूम उठी। कस्बा क्षेत्र की महिला गुड़िया पत्नी सुनील कुमार लगभग 2 वर्ष से खतौनी में नाम दर्ज करने के को लेकर परेशान थी लेकिन उसका नाम खतौनी में नहीं दर्ज हो पा रहा था जिससे वह तहसील का चक्कर लगाकर थक चुकी थी। गुड़िया पत्नी स्व सुनील बताया कि मेरे ससुर राजेंद्र की मृत्यु के बाद मेरा नाम खतौनी में नहीं दर्ज हुआ था। मेरे पति की मृत्यु पहले हो चुकी थी मेरे पति तीन भाई थे दो भाइयों का नाम खतौनी में दर्ज हो गयाथा। लेकिन मैं विधवा थी मेरा नाम नहीं दर्ज हो पाया जिसको लेकर मैं काफी दिनों से परेशान थी तहसील का चक्कर लगा रही थी

लेकिन मुझे राहत नहीं मिल पा रही थी। तहसील के पेश कर सूरज कुमार के सलाह के अनुसार मैंने तहसील दिवस पर प्रार्थना पत्र देकर तहसील न्यायालय में आवेदन किया जिस पर तहसीलदार द्वारा जांच पूरी करके मेरा व मेरे पुत्र का नाम खतौनी में दर्द करवा दिया गया मैं लगभग 2 वर्ष से परेशान थी लेकिन जब सूरज कुमार ने बताया और उनकी सलाह के अनुसार मैंने सारी प्रक्रिया पूर्ण की और लगभग एक महीने में यह मेरा नाम गुड़िया, मेरे पुत्र प्रिंस नाबालिक संरक्षिका माता गुड़िया पुत्र सुनील का नाम खतौनी में दर्ज हो गया। जिससे मैं बहुत खुश हूं और अधिकारियों को बार-बार प्रणाम करती हूं। खतौनी में नाम दर्ज होने के बाद उपजिलाधिकारी सौरभ कुमार ने महिला को अपने हाथों स्वयं खतौनी का वितरण किया। उप जिलाधिकारी के इस कार्य की क्षेत्र में बहुत प्रशंसा हो रही है।

नगर पंचायत गौराबादशाहपुर में राज्यमंत्री दानिश आजाद अंसारी का हुआ भव्य स्वागत

गौराबादशाहपुर, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। नगर पंचायत क्षेत्र स्थित मदरसा रफीकुल इस्लाम में आज अल्पसंख्यक कल्याण, मुस्लिम वक्फ एवं हज विभाग के राज्यमंत्री दानिश आजाद अंसारी का जोरदार स्वागत किया गया। मंत्री के आगमन पर भाजपा कार्यकताओं ने फूल-मालाओं से उनका अभिनंदन किया और पूरे क्षेत्र में उत्साह का माहौल देखने को मिला।

इस मौके पर आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और स्थानीय लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विशेष रूप से पूर्व विधायक हरेन्द्र सिंह तथा मंडल अध्यक्ष संतोष मौर्य भी मौजूद रहे, जिन्होंने मंत्री जी का स्वागत कर उनके प्रयासों की सराहना की।

मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि सरकार हर वर्ग के विकास के लिए प्रतिबद्ध है और जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।कार्यक्रम में आये सभी लोगों के प्रति शाहिद अंसारी ने आभार जताया। मनोज सिंह दिनेश सोनकर संतोष गुप्ता उमेश सिंह अजीत चौहान दीपक मिश्रा चंद्रशेखर निषाद कार्यक्रम का संचालन पंकज राय ने किया।

162 कछुआ व 13 बोरे में कछुए की खाल के साथ दो अन्तर्राज्यीय तस्कर किया गिरफ्तार

खेतासराय, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना खेतासराय पुलिस टीम द्वारा 162 कछुआ (करीब 440 कि.ग्रा.) व 13 बोरे मे कछुए के खाल (कुल कीमत करीब 06 लाख रुपये) के साथ दो अन्तर्राज्यीय पेशेवर वन्यजीव तस्करों को किया गया गिरफ्तार। पुलिस अधीक्षक जनपद जौनपुर द्वारा अपराध की रोकथाम एवं आपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे ।अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक नगर के दिशा निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी शाहगंज के पर्यवेक्षण में थाना खेतासराय पुलिस टीम द्वारा मुखबिर खास की

सूचना पर प्रतिबन्धित वन्यजीव (कछुए) को तस्करी हेतु पश्चिम बंगाल लेकर जा रहे । अन्तर्राज्यीय पेशेवर वन्य जीव तस्करों अपराधी, मोतीलाल पुत्र हजारी निवासी परवेजपुर, बलरामपुर (डोमाडीह) थाना जगदीशपुर जनपद अमेठी,ममता पत्नी मोतीलाल निवासी परवेजपुर, बलरामपुर (डोमाडीह) थाना जगदीशपुर जनपद अमेठी को 04 पिट्ठू बैंग (प्रत्येक में 15 कुल 60 अदद बेश कीमती कछुओ) के साथ रेलवे स्टेशन खेतासराय के पास से आज दिनांक-20.09.2025 को समय 02.15 बजे दिन में गिरफ्तार किया गया।

वाराणसी में सर्वपितृ अमावस्या: गंगा घाटों पर तर्पण और पिंडदान, पितरों को दी विदाई

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद में पितृ पक्ष के समापन पर रविवार को सर्वपितृ अमावस्या के अवसर पर काशी के घाटों पर श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। अलसुबह से ही हजारों लोगों ने गंगा में आस्था की डुबकी लगाई और अपने पूर्वजों की आत्मा की शांति व मोक्ष की कामना की।

श्रद्धालुओं ने सबसे पहले पवित्र गंगा में स्नान किया। इसके बाद बच्चों का मुंडन संस्कार संपन्न हुआ। इस दौरान घाटों पर धार्मिक अनुष्ठान और मंत्रोच्चार से वातावरण आध्यात्मिक बना रहा।

पंडितों की देखरेख में तर्पण और पिंडदानः गंगा तट पर पंडितों के मार्गदर्शन में तर्पण और पिंडदान हुआ। चावल के पिंड, काले तिल और जल अर्पित कर श्रद्धालुओं ने पितरों को तृप्त किया। मान्यता है कि इससे आत्मा को शांति और मोक्ष की प्राप्ति होती है।

दान-पुण्य और विदाई की परंपराः श्राद्ध कर्म के बाद श्रद्धालुओं ने अनाज और दक्षिणा का दान कर पुण्य अर्जित किया। परंपरा के अनुसार, दरवाजे पर अन्न की पोटली रखकर पितरों से विदा होने का निवेदन किया गया। शाम को पीपल के पेड़ पर भोजन और मिठाई अर्पित कर पूर्वजों को भावभीनी विदाई दी गई।

विशेष घाटों पर उमड़ी आस्थाः मणिकर्णिका घाट पर जीवन और मृत्यु के अनंत चक्र की साधना हुई, वहीं पिशाच मोचन कुंड पर पितृ दोष निवारण के लिए तर्पण और पिंडदान का विशेष महत्व रहा। रामगया घाट पर भगवान श्रीराम की स्मृति में पिंडदान कर श्रद्धालुओं ने मोक्ष की कामना की।

मिशन शक्ति के तहत निकली महिला सिपाहियों की रैली

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद में मिशन शक्ति फेज-5 के विशेष अभियान का शुभारंभरविवार 21 सितम्बर को हुआ। इस मौके पर सम्पूर्णानन्द से डीसीपी काशी जोन कार्यालय तक भव्य बाइक रैली निकाली गई। जिसमें 100 बाइक पर सवार 200 महिला सिपाही और पीआरवी 112 की गाड़ियाँ शामिल रहीं। पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल ने पत्रकारों से कहा कि मिशन शक्ति केवल औपचारिकता नहीं है। बल्कि महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित करने का एक सतत प्रयास है। उन्होंने बताया कि एंटी रोमियो स्क्वॉड, महिला हेल्प डेस्क और हेल्पलाइन 1090 को और अधिक सशक्त बनाया जाएगा। महिला सिपाहियों की स्कूटी पर लगी तख्तियों पर हनारी सुरक्षा, नारी सम्मान, नारी स्वावलंबनह्व जैसे संदेश लिखे थे।

कलम की ताकत, जुबाँ से आगे, मौत से परे

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कलम की ताक़त वो ताकत है जो लिखने वाला मिट भी जाए तो कलम उसे ज़िन्दा रखती है।

ये जुमला न सिर्फ.एक मजबूत दावा है बल्कि एक ज़िम्मेदारी और इक इशारा भी है। कलम– कागज पर उतरती हुई हमारी आवाज वो वसीला है जो वक़्त को रोककर किसी खयाल, किसी शख़्स या किसी हकीकत को आने वाली नस्लों तक पहुँचा देती है। इंसान फना हो सकता है, नाम भुला दिया जाता है, लेकिन अगर उसने तहरीर छोड़ी हो तो उसका असर बाक ी रहता है। किताबें, खत, मजामीन, तजुर्बात ये सब उस शख़्स की आवाज को सदीयों तक ज़िन्दा रखते हैं। तारीख गवाह है कि कितने उलमा, शोअरा और मुफक्किर आज भी अपने अल्फाज से ज़िन्दा हैं। कलम सिर्फ.इबारत का वसीला नहीं, बलकि एक हथियार भी है। अगर इसको नफरत, झूठ और गुमराही के लिए इस्तेमाल किया जाए तो यही कलम तबाही और फसाद की वजह बनती है। गलत तहरीर, फरेबी बयानात और झूठी तहरीकात ने हमेशा इंसानियत को नुकसान पहुँचाया है। अगर कलम का इस्तेमाल हक, इंसाफ और सच्चाई के लिए किया जाए तो यही कलम दुनिया की सब से बड़ी ताकत बनती है। इंसाफ के अल्फाज, हकूक की तहरीरात और सच की गवाही ने हमेशा समाज को जागृत किया है। हर इंकलाब, हर तहरीक के पीछे किसी न किसी कलम की सच्चाई मौजूद रही है। कलम उठाने वाला हर शख़्स सिर्फ. हक नहीं निभा रहा होता, बलकि ज़िम्मेदारी भी उठा रहा होता है। सच लिखना, इंसाफ करना, और दूसरों की इज्जत का ख़्याल रखना यही असल कलम का हक है। कलम न फि तरी तौर पर बुरा है और न पाक। ये उस नीयत का आईना है जिसके साथ उसे चलाया जाए। अगर नीयत सच्ची और साफ है तो कलम समाज की तामीर करती है, अगर नीयत गलत है तो यही कलम फसाद का सबब बनती है। कलम ताक़त है, और ताक़त के साथ हमेशा ज़िम्मेदारी आती है।

(फिक्र मेरी तरतीब फन्नीयात की)
जावेद जैदी

विधायक ने अधिकारियों को लगाई फटकार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। गत दिनों जमीन विवाद को लेकर पत्थर बाजी और मारपीट हुई थी। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हुआ था। उसी मामले को लेकर अपना दल कमेंरावादी पार्टी व सिराथू की विधायक पल्लवी पटेल लाइन बाजार थाना क्षेत्र के जगदीशपट्टी पहुंचीं। यहां उन्होंने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर उनका पक्ष जाना। इसके बाद उन्होंने लाइन बाजार के एसओ और तहसीलदार को तलब कर फटकार लगाई। विधायक ने जब सवाल किया कि तहरीर में जमीन कब्जे का जिक्र है तो सिर्फ शांति भंग की धाराएं ही क्यों लगाई गईं? उन्होंने पुलिस प्रशासन से पूछा कि आखिर कोई 200 लोगों की भीड़ के साथ दीवार कैसे खड़ी कर सकता है और पथराव कर सकता है। इसी दौरान विधायक ने एसपी जौनपुर को फोन किया। एसपी के व्यस्त होने की बात कहे जाने पर उन्होंने सख्त तेवर दिखाते हुए चेतावनी दी कि 5 मिनट में कॉल करें, नहीं तो मैं आवास पहुंच जाऊंगी। बाद में एसपी ने फोन कर विधायक से बातचीत की, विधायक पल्लवी पटेल ने मीडिया से कहा, भाजपा सरकार में लूट-खसोट मची हुई है। सब कुछ सिर्फ कागजों पर है, जमीन पर हकीकत इसके उलट है। प्रशासन और पुलिस बेलगाम हो चुकी है। भू-माफिया कुकुरमुत्ता की तरह फैल गए हैं।

नवरात्रि के प्रथम दिन के पहले सजने लगी दुकानें, तैयारी शुरू

सुइथाकला, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद के पश्चिमी छोर पर स्थित विकासखंड क्षेत्र का शीतला माता का मंदिर देवी धाम बसौली क्षेत्र के लाखों लोगों के लिए आस्था, श्रद्धा एवं भक्ति का केंद्र है। यहां नवरात्रि प्रथम दिन से पहले रविवार को मंदिर में साफ-सफाई, रंगाई- पुताई, भव्य सजावट, लाइट डेकोरेशन, बिजली बल्ब के झालर से सजाया जा रहा है। नवरात्रि के प्रथम दिन को लेकर सारी तैयारियां पूरी हो गई हैं। मंदिर के मुख्य पुजारी पं. रमेश तिवारी ने बताया कि मंदिर की तैयारी अंतिम चरण में है। मंदिर को भव्य और सुंदर रूप देने के लिए इसे आकर्षक विद्युत बल्ब की झालर से सजाया जा रहा है। इस मंदिर से 14 कोस परिक्षेत्र के लाखों श्रद्धालुओं की आस्था जुड़ी हुई है। उन्होंने कहा कि माता रानी के चरणों में क्षेत्र के लोगों की अगाध श्रद्धा है। जो भी भक्त निष्काम भाव से इनके मंदिर की चौखट पर मत्था टेकता है मां उनकी सारी मनोकामनाएं पूर्ण करती हैं। उन्होंने बताया कि मंदिर में दर्शन करने वाले दर्शनार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े इसके लिए परिसर में करीब 15 से अधिक सीसीटीवी कैमरे लगे हैं। सीसीटीवी कैमरे से हर गतिविधि पर निगरानी रहेगी।

आपसी रंजिश में चाकूबाजी, दो जख्मी

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज थाना क्षेत्र के देवरिया मठिया गांव के दो युवकों को अज्ञात लोगों द्वारा महुआरी पुल पर घेर कर चाकू मारने का मामला प्रकाश में आया है । बतायाजाता है कि महुआरी निवासी अर्जुन कुमार प्रसाद विकास कुमार सिंह महुआरी बाजार पर पुल के पास अज्ञात हमलावर बाइक से आकर दोनों युवकों पर हमला कर दिया। जिससे युवक जख्मी हो गए। महाराजगंज के एस आई प्रशांत कुमार मामले के जांच में लग गए हैं। वहीं देवरिया गांव के व देवरिया गांव के लोगों के बीच आपसी रंजिश में मामला तू-तू, मै-मैं से बढ़ कर मारपीट व चाकूबाजी में बदल गई। जिसमें दोनों पक्ष के चार लोग जख्मी हो गए। जख्मी लोगों का इलाज महाराजगंज अनुमंडल अस्पताल में चल रहा है। देवरिया मठिया गांव के लालू भारती 25 वर्ष, रामस्वारत भारती,गोविंदा भारती, बालेसर देवी जख्मी हो गईं। महाराजगंज थाना के एसआई महाराजगंज प्रशांत कुमार ने बताया पुलिस प्राथमिकी दर्ज कर मामले की छानबीन में लग गई है।

महाराजा दक्ष प्रजापति समिति जौनपुर के तत्वधान में संगोष्ठी का आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शाहगंज पैलेस आजमगढ़ रोड शाहगंज में किया गया पंच परिवर्तन जिसका विषय पंच परिवर्तन था। जिसमें मुख्य अतिथि मुख्य प्रवक्ता मिथिलेश नारायण क्षेत्र बौद्धिक प्रमुख पूर्वी उत्तर प्रदेश ने पंच परिवर्तन, कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समरसता का बोध, नागरिक कर्तव्य, जैसे पांचो विषयों पर विस्तार से चर्चा किये और उनके द्वारा कहा गया की देश में ये पांच परिवर्तन हो गए तो भारत को विश्व गुरु बनने से कोई रोक नहीं सकता। जिसमें प्रबुद्ध जनों का सहयोग बहुत ही आवश्यक है । संचालन ईशान राम ने किया, कार्यक्रम के अयोजक अजीत प्रजापति ने सभी लोगों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर उपस्थित विनय सिंह जी रहे, महाराजा दक्ष प्रजापति समिति जौनपुर के अध्यक्ष विजय प्रजापति , राहुल प्रजापति, अरुण प्रजापति, चन्द्रशेखर प्रजापति, प्रवक्ता, दिनेश यादव, आशीष मौर्य, पंकज सिंह, अंगद तिवारी के साथ सैकड़ों की संख्या में लोग मौजुद रहे।

नायर वेलफेयर एसोसिएशन के 30 वा वार्षिकोत्सव में मुख्य अतिथि स्नेहा दुबे

स्वामी नारायण मंदिर हॉल, वसई (पश्चिम)वसई स्थित नायर वेलफेयर एसोसिएशन के 30वें वार्षिकोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होना मेरे लिए सम्मान की बात थी। कार्यक्रम की शुरूआत पारंपरिक दीप प्रज्वलन के साथ हुई, जिसके बाद सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ हुईं और समुदाय के योगदानकताओं का सम्मान किया गया। साथ, अभिनेता कृष्ण प्रसाद, नारायण मानकर, हरिकुमार मेनन, प्रभा नायर, एसोसिएशन के अध्यक्ष ओ.सी. राज कुमार, उत्तम कुमार, श्रीमती श्रीकुमारी मोहन, विनोद कुमार, मयंक शेठ, पिंटू मिश्रा, राजू इसाई, मिकी आनंद, रायबा मोरे, अमितेश मोरे और महासचिव सहित बड़ी संख्या में समुदाय के सदस्य, पदाधिकारी और स्वयंसेवक उपस्थित थे।

5 साल की मेहनत के बाद मिली सफलता,अब नरीमन प्वाइंट से मीरा भायंदर सिर्फ आधे घंटे में

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मुंबई केंद्रीय नमक मंत्रालय ने दहिसर-भायंदर राजमार्ग के निर्माण में आ रही एक बड़ी बाधा को दूर करते हुए अपनी जमीन राज्य सरकार को हस्तांतरित कर दी है। परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने बताया कि अगले तीन वर्षों में इस सड़क के पूरा हो जाने पर, कोस्टल रोड के जरिए नरीमन पॉइंट से मीरा-भायंदर की दूरी सिर्फ. आधे घंटे में तय की जा सकेगी। मंत्री सरनाईक ने बताया कि पिछले 4-5 वर्षों से केंद्रीय नमक मंत्रालय और राज्य सरकार के साथ लगातार संपर्क के बाद, केंद्रीय नमक मंत्रालय ने दहिसर-भायंदर 60 मीटर सड़क में 53.17 एकड़ जमीन राज्य सरकार के माध्यम से मीरा-भायंदर नगर निगम को हस्तांतरित करने की मंजूरी दे दी है। इस से दहिसर से भायंदर और आगे वसई-विरार तक सड़क निर्माण का रास्ता साफ हो गया है। इस से तटीय सड़क मार्ग से नरीमन पॉइंट से मीरा-भायंदर की दूरी अब सिर्फ.डेढ़ घंटे की रह गई है। कोस्टल रोड मुंबई नगर निगम से होते हुए उत्तन तक पहुँचेगी। वहाँ से 60 मीटर चौड़ी दहिसर-भायंदर सड़क मीरा रोड स्थित सुभाष चंद्र बोस मैदान तक पहुँचेगी और वहाँ से वसई और विरार, दो शहरों को जोड़ेगी। इस सड़क के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। यह काम एल.ए.टी. कंपनी द्वारा किया जाएगा और यह परियोजना अगले तीन वर्षों में पूरी हो जाएगी। मुंबई महानगरपालिका इसके लिए 3,000 करोड़ रुपये का खर्च वहन करेगी। उत्तन से विरार तक तटीय सड़क का वहां के मछुआरों ने विरोध किया था। प्रताप सरनाईक ने यह मांग मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के समक्ष रखी और उस मांग को मंजूरी मिली। इसलिए, यह मार्ग उत्तन से दहिसर और वहां से मीरा-भायंदर होते हुए वसई विरार तक जाएगा। इसलिए, सरकार ने उत्तन के मछुआरों की जायज मांग पर सहानुभूतिपूर्वक विचार किया है। प्रताप सरनाईक ने कहा। भविष्य में, यह मार्ग वसई विरार से वधान बंदरगाह तक जाएगा। इसलिए, इससे मीरा-भायंदर शहर को लाभ होगा। साथ ही, मीरा-भायंदर शहर मुंबई से और अधिक जुड़ जाएगा और मुंबई शहर के एक उपनगर के रूप में अपनी पहचान स्थापित करेगा! परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने ऐसा विश्वास व्यक्त किया।

मयूर सोनी को जन्मदिन की शुभकामनाएँ, साथ ही प्रेस प्रतिनिधि के रूप में नियुक्ति

वसई रोड (उत्तरशक्ति)। वसई रोड स्थित स्वर्णसमाज के प्रतिष्ठित व्यापारी और भारतीय जनता पार्टी के व्यापारी आघाड़ी के उपाध्यक्ष मयूर सोनी का जन्मदिन आज हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस विशेष अवसर पर उत्तर शक्ति डेली न्यूज पेपर के संपादक एवं मुंबई संवाददाता नरेंद्र सोनी ने उन्हें हार्दिक शुभकामनाएँ देते हुए दीर्घायु और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की साथ ही मयूर सोनी को उत्तर शक्ति डेली की ओर से वसई-विरार क्षेत्र के प्रेस प्रतिनिधि के रूप में नियुक्त किया गया। इस अवसर पर उन्हें आधिकारिक प्रेस कार्ड भी सौंपा गया। नरेंद्र सोनी ने विश्वास जताया कि मयूर सोनी पत्रकारिता के माध्यम से समाज की समस्याओं को उजागर कर, सत्य की राह पर चलते हुए जनता की सेवा को अपना उद्देश्य बनाएँगे। समाजसेवा और निष्पक्ष पत्रकारिता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को देखते हुए यह नियुक्ति क्षेत्र में एक सकारात्मक पहल मानी जा रही है।

जीएसटी दरों में कमी आम आदमी की समृद्धि का मार्ग है : केशव उपाध्याय

वसई रोड। भारत के अमृतकाल में आम आदमी की जीवनशैली को सुखी और समृद्ध बनाने के लिए केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरों के पुनर्गठन और उन्हें और अधिक सुव्यवस्थित करने का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 79वें स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले से घोषित संकल्प अब साकार हो गया है और महाराष्ट्र प्रदेश भाजपा के मुख्य प्रवक्ता केशव उपाध्याय ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस नालासोपारा रिजेंसी हॉल में किया और विश्वास व्यक्त किया कि जीएसटी की नई कर संरचना देश की अर्थव्यवस्था के साथ-साथ लोगों की जीवनशैली को भी नई गति प्रदान करेगी।

वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की संरचना में केंद्र सरकार द्वारा किया गया यह सबसे बड़ा और सभी के लिए सर्वाधिक लाभकारी सुधार जब लागू होगा, तो देश की अर्थव्यवस्था को बल मिलेगा और व्यापार क्षेत्र को भी इसका भरपूर लाभ होगा। उन्होंने यह भी विश्वास व्यक्त किया कि जैसे-जैसे मांग और उत्पादन बढ़ेगा, रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे और परिवारों की आर्थिक समृद्धि की एक नई शुरूआत होगी।

प्रधानमंत्री ने लाल किले से घोषणा की थी कि जीएसटी कर प्रणाली की नई संरचना का उद्देश्य आम आदमी के जीवन को आसान बनाना और अर्थव्यवस्था को मजबूत करना होगा। केशव उपाध्याय ने इस बदलाव का स्वागत करते हुए कहा कि केंद्र और राज्य सरकारों वाली जीएसटी परिषद ने जीएसटी सुधारों के नए प्रस्ताव को सर्वसम्मति से मंजूरी दे दी है, जिससे प्रधानमंत्री का संकल्प और मजबूत हुआ है। इन सुधारों से उत्पन्न नई आर्थिक नीति से आम आदमी, किसान, मध्यम और लघु उद्यम, मध्यम वर्ग, महिलाएं और युवा लाभान्वित होंगे और व्यवसायी अभूतपूर्व व्यापार सुगमता का आनंद ले सकेंगे। नया जीएसटी कर ढांचा देश के लोगों के हितों को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है और इससे समाज के अंतिम स्तर तक प्रत्येक नागरिक के जीवन स्तर में सुधार आएगा। उन्होंने कहा कि वर्तमान चार-स्तरीय कर ढांचे को सुव्यवस्थित करके और केवल 18 प्रतिशत और 5 प्रतिशत की दो श्रेणियों में नया जीएसटी कर लगाकर, कई आवश्यक वस्तुओं पर कर का बोझ हल्का या समाप्त किया जा सकेगा।

देश को आजादी मिलने के 67 साल बाद, यानी 2014 तक, देश की आर्थिक प्रगति की गति धीमी रही। इस दौरान देश की सकल राष्ट्रीय आय केवल 2.04 ट्रिलियन डॉलर तक पहुँच पाई थी। नीतिगत निष्क्रियता, भ्रष्टाचार और मुद्रास्फीति आसमान छू रही थी। कर संग्रह की प्रक्रिया जटिल थी, अर्थव्यवस्था में पारदर्शिता नहीं थी। इसलिए, आर्थिक सुधारों की गति को तेज करना देश के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण आवश्यकता थी। इसे समझते हुए, मोदी सरकार ने सुधारों को मजबूत करने के लिए योजनाएँ बनाईं और उनके कार्यान्वयन पर भी ध्यान केंद्रित किया।

एक मजबूत अर्थव्यवस्था के साथ आत्मनिर्भर भारत बनाने का लक्ष्य इन सुधारों के कारण ही संभव हो पाया है। जीएसटी कराधान का पहला चरण 1 जुलाई, 2017 को शुरू हुआ और उससे पहले, देश 17 वर्षों से ऐसे कर ढांचे का इंतजार कर रहा था। यह 2017 में समाप्त हुआ और आर्थिक सुधारों की गति तेजी से बढ़ी।

यही कारण है कि आज देश में 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आ चुके हैं और देश की अर्थव्यवस्था दुनिया में चौथे स्थान पर पहुँच गई है। उन्होंने कहा कि यह प्रगति तेज हुई है और अब वैश्विक आर्थिक अस्थिरता के बीच भी, वैश्विक वित्तीय संस्थानों ने पुष्टि की है कि भारत की अर्थव्यवस्था तीसरे स्थान पर पहुँच जाएगी। मोदी सरकार विकास की राजनीति करेगी

राज्य में चाहे कोई भी सत्ता में हो, जीएसटी दर में कटौती से हर राज्य के लोगों, हर परिवार, गरीब और मध्यम वर्ग, छोटे और बड़े उद्यमियों, हर व्यापारी और व्यवसायी को बहुत लाभ होगा। कांग्रेस को हर मुद्दे को राजनीतिक रंग देने की गंदी आदत हो गई है। उनकी घटिया राजनीति से उन्हें लाभ हो, लेकिन केशव उपाध्याय ने यह भी विश्वास व्यक्त किया कि मोदी सरकार सभी वर्गों के लोगों के लाभ के लिए विकास की राजनीति करती रहेगी।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में भाजपा महाराष्ट्र के मुख्य प्रवक्ता केशव उपाध्याय, पालघर के सांसद डॉ. हेमंत सावरा, जिला अध्यक्ष श्रीमती प्रज्ञा पाटिल, नालासोपारा विधायक राजन नाइक, वसई विधानसभा विधायक श्रीमती स्नेहा दुबे पंडित उपस्थित थे। भाजपा जिला महासचिव मनोज बारोट ने मीडिया को जानकारी दी है कि अभियान के वसई विरार जिला संयोजक जोगेंद्र प्रसाद चौबे और पालघर जिला संयोजक वकील आव्हाड मुख्य रूप से उपस्थित थे।

भाजपा वसई रोड मंडल नि:शुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर संपन्न: महेश सरवनकर

भाजपा वसई रोड मंडल नि:शुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर संपन्न: महेश सरवनकर

मुंबई (उत्तरशक्ति)। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में सेवा पंधवाड़ा कार्यक्रम चल रहा है। इसी सेवा पंधवाड़ा कार्यक्रम के अंतर्गत भाजपा वसई रोड मंडल द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर का आयोजन किया गया। इस निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर में सैकड़ों नागरिकों ने भाग लिया और अपने स्वास्थ्य की जाँच करवाई। रविवार, 21 सितंबर को भाजपा वसई रोड मंडल अध्यक्ष महेश सरवणकर की अध्यक्षता में माता रमाबाई नगर, आनंद नगर, वसई पश्चिम में निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर का आयोजन किया गया। इस निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर का उद्घाटन वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने किया। विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने सेवा पखवाड़े के सभी सामाजिक कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए भाजपा वसई रोड मंडल के पदाधिकारियों और कार्यकताओं की प्रशंसा की। बक्सी प्राइम मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल के विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा माता रमाबाई नगर के नागरिकों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। माता रमाबाई नगर के सैकड़ों नागरिकों ने निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर का लाभ उठाया। इस निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर को सफल बनाने के लिए भारतीय जनता पार्टी वसई रोड मंडल स्वास्थ्य शिविर संयोजिका स्मिता शेट्टीगर, सेवा पंधवाडा मंडल संयोजिका सीमा सिंह सेंगर, मंडल महासचिव दीपक शर्मा, महासचिव अर्जुन इंगोले, चेतन पागे, नितेश भालेराव, राजेश चोटालिया, सोनू सैयद, जयेश घरत, शीतल सोनी, रीना विश्वकर्मा, लालजी कनोजिया, राजकुमार दुबे, संगीता महाडिक, अशोक खारपुडे, उमेश मोर्या, महेश मोर्या, बबीता शर्मा, मुक्तार पठान और अन्य पदाधिकारियों ने कड़ी मेहनत की. शिविर में वसई विधानसभा महिला मोर्चा प्रमुख साधना धुरी, शिला अय्यर, इकबाल मुखी, अंजलि सोलंकी, कैलाश बोराना, अपर्णा पाटिल, हरीश बेदी, मैथ्यू कोलासो, लता सेनवा, मीना बारोट, सुशीला व्यास, संदीप करोतिया, शालिन डिसूजा, मिथलेश मिश्रा, मारकंडे पांडे और अन्य पदाधिकारियों ने दौरा किया। भाजपा वसई रोड मंडल ने निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर के लिए स्थान उपलब्ध कराने हेतु माता रमाबाई नगर कल्याण संघ के शमीमभाई और भाऊ सालवे का आभार व्यक्त किया।

सेवा पखवाड़ा के तहत महाराजगंज अनुमंडल अस्पताल में 12 युवाओं ने दिया ब्लड

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज अनुमंडल अस्पताल में युवा बीजेपी सीवान पूर्वी के अध्यक्ष मनीष कुमार के नेतृत्व में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया । शिविर में दर्जन भर युवाओं ने ब्लड दान किया। इस शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल उपस्थित होकर शिविर का निरीक्षण किया। सांसद ने कहा सेवा पखवाड़ा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75 वें जन्मदिन के अवसर पर 17 सितंबर से लेकर 2 अक्टूबर महात्मा गांधी, लाल बहादुर शास्त्री जयंती तक मनाया जा रहा है। मौके पर जिला अध्यक्ष सिवान पूर्वी रंजीत कुमार, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष मनिष कुमार , नगर अध्यक्ष अमरजीत सिंह, विकाश गुप्ता, जिला पूर्वी के बीजेपी उपाध्यक्ष संजय सिंह, और अन्य प्रमुख पदाधिकारी भी मौजूद थे।

पूर्वोत्तर रेलवे पूर्वोत्तर रेलवे चल रहा है पूजा स्पेश ट्रेन

वाराणसी (उत्तरशक्ति)।: रेलवे प्रशासन द्वारा आगामी दशहरा, दीपावली एवं छठ त्यौहारों पर यात्री जनता की मांग पर 09041/09042 उधना-बलिया-उधना साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी का संचलन उधना से 25 सितम्बर से 09 अक्टूबर,2025 तक प्रत्येक वृहस्पतिवार को तथा बलिया से 26 सितम्बर से 10 अक्टूबर,2025 तक प्रत्येक शुक्रवार को 03 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा। फलस्वरूप 09041 उधना-बलिया साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी 25 सितम्बर से 09 अक्टूबर,2025 तक प्रत्येक वृहस्पतिवार को उधना से 06.40 बजे प्रस्थान कर सूरत से 07.05 बजे, भरूच से 07.47 बजे विश्वामित्री जं0 से 08.35 बजे, वडोदरा से 09.00, गोधरा से 11.10 बजे, दाहोद से 12.14 बजे, रतलाम से 13.45 बजे, नागदा से 14.40 बजे, उज्जैन से 16.05 बजे, सुजालपुर से 18.00 बजे, संत हिरदाराम से 19.15 बजे, बिदिशा से 20.35 बजे, गंजबसोदा से 21.05 बज, बीना से 22.10 बजे, दूसरे दिन ललितपुर से 00.10 बजे, वीरांगना लक्ष्मीबाई जं0 झांसी से 02.15 बजे, उरई से 03.42 बजे, गोविन्दपुरी से 06.55 बजे, फतेहपुर से 08.00 बजे, प्रयागराज जं0 से 10.20 बजे, मिजार्पुर से 11.50 बजे, चुनार से 12.20 बजे, वाराणसी से 14.45 बजे, जौनपुर से 16.45 बजे, औड़िहार से 17.47 बजे तथा गाजीपुर सिटी से 18.47 बजे छूटकर बलिया से 2015 बजे पहुँचेगी। वापसी यात्रा में 09042 बलिया-उधना साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी 26 सितम्बर से 10 अक्टूबर,2025 तक प्रत्येक शुक्रवार को बलिया से 23.30 बजे प्रस्थान कर दूसरे दिन गाजीपुर सिटी से 00.15 बजे, औड़िहार से 01.07 बजे, जौनपुर से 03.25 बजे, वाराणसी से 05.20 बजे, चुनार से 08.17 बजे, मिजार्पुर से 09.02 बजे, प्रयागराज जं0 से 11.20 बजे, फतेहपुर से 13.20 बजे, गोविन्दपुरी से 14.55 बजे, उरई से 16.50 बजे, वीरांगना लक्ष्मीबाई जं0 झांसी से 18.25 बजे, ललितपुर से 19.40 बजे, बीना से 22.30 बजे, गंजबसोदा से 23.03 बजे, विदिशा से 23.32 बजे, तीसरे दिन संत हरदाराम से 00.50 बजे, सुजालपुर से 01.29 बजे, उज्जैन से 03.50 बजे, नागदा से 04.42 बजे, रतलाम से 05.30 बजे, दाहोद से 07.03 बजे, गोधरा से 08.32 बजे, विश्वामित्री से 10.07 बजे, भरूच से 11.15 बजे तथा सूरत से 12.20 बजे छूटकर उधना 12.45 बजे पहुँचेगी। इस गाड़ी में वातानुकूलित तृतीय श्रेणी का 14, जनरेटर सह लगेज यान का 01 तथा एल.एस.एल.आर/डी. के 01 कोचों सहित कुल16 आधुनिक एल.एच.बी. कोच लगाये जायेंगे।

रविंद्र चव्हाण को भाजपा पदाधिकारियों ने दी जन्मदिन की शुभकामनाएं

वसई विरार। भारतीय जनता पार्टी महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण को आज उनके जन्मदिन पर पूरे प्रदेशभर से शुभकामनाएं प्राप्त हो रही हैं। वसई विरार जिले की ओर से जिला अध्यक्ष प्रज्ञा पाटिल, नालासोपारा के विधायक राजन नाइक, पूर्व जिला अध्यक्ष महेंद्र पाटील, वरिष्ठ नेता मनोज बारोट एवं जिला उपाध्यक्ष शकीना नूरानी ने चव्हाण को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। प्रज्ञा पाटिल ने अपने शुभकामना संदेश में कहा ह्लरविंद्रदादा एक सिद्धांतवादी, सेवाभावी और जनसेवा को समर्पित नेता हैं। वे वसई विरार के परिवर्तन के शिल्पी और साधारण कार्यकताओं के असाधारण नेता हैं। उनका नेतृत्व और मार्गदर्शन सभी कार्यकताओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका के एक वार्ड से अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत करने वाले रविंद्र चव्हाण ने पार्षद, स्थायी समिति अध्यक्ष, विधायक, राज्य मंत्री और मंत्री जैसे महत्वपूर्ण दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन किया है। आज वे महाराष्ट्र भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के रूप में पार्टी को नई दिशा देने का कार्य कर रहे हैं। भाजपा नेताओं ने उनके उत्तम स्वास्थ्य और दीघार्यु की कामना करते हुए कहा कि ह्लउनका जमीनी कार्यकताओं से जुड़ाव और जनसंपर्क का अनुभव भारतीय जनता पार्टी को महाराष्ट्र में और अधिक सशक्त बनाने में सहायक सिद्ध हो रहा है। रविंद्र चव्हाण के जन्मदिन के इस अवसर पर संपूर्ण भाजपा परिवार उन्हें शुभकामनाएं देते हुए उनके नेतृत्व में पार्टी की निरंतर प्रगति की कामना कर रहा है।